RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

मुश्किल अगर आन पड़ी तो घबराने से क्या होगा... जीने की तरकीब निकालो मर जाने से क्या होगा!!

ओशो

वर्ष-04, अंक - 44 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 04 अगस्त 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

ईडी के ऐक्शन पर कांग्रेस ने किया वार

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए यंग इंडिया लिमिटेड का कार्यालय सील कर दिया है। इसके अलावा कांग्रेस मुख्यालय और राहुल गांधी के आवास पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। ईडी के ऐक्शन को लेकर पहले से ही आक्रोशित कांग्रेस नेताओं ने केंद्र पर प्रतिशोधी की राजनीति का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मुख्यालय पहुंचे और बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा सरकार पर हमला बोला। मल्लिकार्जुन खड़गे, सलमान खुर्शीद, दिग्विजिय सिंह, अभिषेक मनु सिंघवी और पी चिदंबरम और जयराम रमेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे थे।

कांग्रेस ने कहा है, पुलिसिया पहरे से सत्य की आवाज नहीं दबेगी। महंगाई और बेरोजगारी पर सवाल पूछे जाएंगे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय के साथ राहुल और सोनिया गांधी के घर को घेर लिया है और इसे छावनी में तब्दील कर दिया गया। उन्होंने कहा, हम डरेंगे नहीं।

अजय माकन ने कहा, शनिवार को एआईसीसी की तरफ से एक सर्कुलर जारी किया गया कि 5 अगस्त को महंगाई और बेरोजगारी को लेकर देशव्यापी प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें कहा गया था कि कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री आवास से राष्ट्रपति भवन तक मार्च करेंगे। आज हमें डीसीपी की तरफ से लेटर आया कि आप 5 तारीख को कोई प्रदर्शन नहीं कर सकते।

भाजपा नेताओं ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ खोला मोर्चा

भोपाल।

मध्य प्रदेश में हुए नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा में अंदरूनी घमासान शुरू हो गया है। प्रदेश संगठन मंत्री के पास लगातार अब केंद्रीय और राज्य मंत्रियों की शिकायतें लगातार पहुंच रही हैं। एमपी के डिंडोरी में जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव हारने वालीं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे की पत्नी ज्योति धुर्वे ने केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को अपनी हार का जिम्मेदार ठहराया है।

दरअसल, मंगलवार को डिंडोरी जिले के नेता बड़ी संख्या में धुर्वे के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से मिलने पहुंचे थे। इन सभी ने फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत और 13 पदाधिकारियों के खिलाफ भितरघात और कांग्रेस को जितवाने की शिकायत की है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि डिंडोरी में जिला पंचायत अध्यक्ष कांग्रेस का बन गया है। यहां दोनों पार्टी के पास 5-5 सदस्य थे।

इसी कड़ी में दमोह जिले में पूर्व जिलाध्यक्ष शिवचरण पटेल ने आरोप लगाया है कि, कांग्रेस का जिला पंचायत अध्यक्ष बनवाने में मंत्री गोपाल भार्गव, पूर्व मंत्री जयंत मलैया और पूर्व विधायक लखन पटेल का हाथ हैं। भार्गव और मलैया ने प्रत्याशी को नामांकन तक नहीं भरने दिया था। साथ ही इसके केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल को हार के लिए जिम्मेदार ठहराया है। वहीं हरदा जिले में जनपद वाली तीनों सीट पार्टी हार गई। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कमल पटेल की चचेरी बहन रेवा पटेल कांग्रेस से जनपद अध्यक्ष बन गई। जिसके बाद कमल पटेल के खिलाफ जिला अध्यक्ष अमर सिंह मीणा और मंडल अध्यक्ष गोलू राजपूत के साथ समर्थकों ने मोर्चा खोला है। कमल पटेल पर आरोप लगाया है कि वे जाट समाज को सारे पद दिलवा रहे हैं।

इसे लेकर मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि, यह सब सामान्य बातें है। उन्होंने कहा कि, भाजपा बड़ी पार्टी है, कहीं कोई छोटी-मोटी नाराजगी हो सकती है यह समान्य बात है। इसे संभाल लिया जाएगा।

5जी नीलामी में गड़बड़...?

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का सबसे बड़ा घोटाला बताए जाने वाले '2जी स्कैम' केस में कोर्ट से बरी पूर्व केंद्रीय दूरसंचार मंत्री और डीएमके सांसद ए राजा ने 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी पर बड़े सवाल खड़े किए हैं और जांच की मांग की है। राजा का कहना है कि, हो सकता है कि केंद्र सरकार और कुछ कंपनियों के बीच पहले से ही समझौता रहा हो। उन्होंने कहा, सरकार ने खुद ही पहले अनुमान लगाया था कि 5जी 5 लाख करोड़ तक बेचा जाएगा लेकिन अब इसकी नीलामी केवल 1.5 लाख करोड़ रुपये में हुई है। आखिर पैसा कहां गया, गलती कहां हुई? मौजूदा सरकार को इसकी छानबीन करनी चाहिए।

ए राजा ने कहा कि, जब उन्होंने 30 मेगाहड्स स्पेक्ट्रम आवंटन की सिफारिश की थी तब सीएजी विनोद राय ने कहा था कि, इससे 1.76 लाख करोड़ का नुकसान हो गया है। अब 51 गिगाहड्स की नीलामी हुई है जो कि उससे बहुत ज्यादा है। बता दें कि, 1 अगस्त को 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी खत्म हुई है। छह दिन नीलामी की प्रक्रिया जलने के बाद अंतिम बोली एक लाख 50 हजार 173 करोड़ की लगाई गई। इस नीलामी में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के अलावा अडाणी एंटरप्राइजेज भी शामिल थी। रिलायंस जियो ने सबसे बड़ी बोली लगाकर स्पेक्ट्रम पर हक जमाया है। वहीं सरकार का कहना है कि, भारत में अक्टूबर तक 5जी सेवा शुरू हो जाएगी।

अस्पताल का लाइसेंस किया रद्द, सीएमएचओ को किया निलंबित

52 निजी अस्पतालों में नए मरीज भर्ती करने पर लगी रोक

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में न्यू लाइफ मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में हुए अग्निकांड के बाद प्रशासन सख्त हो गया है। अस्तपाल में हुए इस हादसे के बाद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जबलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय ने अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया।

अस्पताल का लाईसेंस रद्द करने के साथ ही जबलपुर सीएमएचओ रत्नेश कुररिया को भी निलंबित कर दिया गया है। जिसके बाद संयुक्त संचालक डॉक्टर संजय मिश्रा को सीएमएचओ का प्रभार सौंपा गया है। जानकारी अनुसार, रत्नेश कुररिया पर पहले भी पैसे लेकर अस्पतालों को मान्यता देने जैसे कई गंभीर आरोप लग चुकें हैं।

इसी आदेश के साथ जबलपुर के 52 निजी अस्पतालों में नए मरीज भर्ती करने पर रोक लगा दी गई है। इसके संबंध में भी आदेश जारी किया गया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि, अगर इस आदेश की अवहेलना हुई तो अस्पतलों का रेजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिया जाएगा।

बता दें कि, एक अगस्त को जबलपुर के एक निजी अस्पताल न्यू लाइफ मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल में हुए अग्निकांड में 8 लोगों ने अपनी जान गवा दी थी और 10 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिसके बाद अस्पताल के डायरेक्टर्स और मैनेजर के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। साथ ही इसके अस्पताल के मैनेजर को भी गिरफ्तार कर लिया गया था।

धार्मिक यात्रा के बहाने पार्षदों ने की रिसॉर्ट यात्रा

ग्वालियर। इस समय ग्वालियर चंबल में अजब-गजब की राजनीति का खेल सुर्खियों में है। भाजपा और कांग्रेस सभापति को बनाने के लिए अलग-अलग दांव पेच अपनाने में लगी हुई हैं। सभापति चुनाव में क्रॉस वोटिंग के डर से दो दिन पहले भाजपा ने अपने 34 पार्षदों को दिल्ली में बैठक के बहाने उन्हें हरियाणा के एक रिसॉर्ट में बाड़ेबंदी कर दी है।

बुधवार को कांग्रेस ने भी आनन-फानन में अपने सभी पार्षदों को एक होटल में एकत्रित किया जहां से कांग्रेस के सभी पार्षद बस द्वारा धार्मिक यात्रा पर रवाना हो गए। इसमें तीन निर्दलीय और एक बीएसपी के भी पार्षद शामिल हैं। धार्मिक यात्रा के नाम से कांग्रेस की भेजी गई बस में महापौर शोभा सिकरवार और उनके पति विधायक सतीश सिकरवार के साथ कांग्रेस के कई बड़े नेता इस बस में सवार होकर धार्मिक की यात्रा करने का बहाना लेकर रवाना हो गए हैं

कांग्रेस का दावा है कि, उनके पास 29 लोगों का समर्थन है जिसमें 25 कांग्रेस के शामिल है इसके अलावा तीन निर्दलीय एक बीएसपी का उन्हें समर्थन है। गौरतलब है कि, 5 अगस्त को ग्वालियर सभापति को लेकर वोटिंग होनी है और इसको लेकर भाजपा और कांग्रेस लगातार अपना सभापति बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है।

यही वजह है कि, 2 दिन पहले भाजपा ने अपने सभी 34 पार्षदों को बस से दिल्ली के लिए रवाना कर दिया था लेकिन उन्हें दिल्ली न ले जाकर हरियाणा की एक रिसॉर्ट में ठहराया गया है। बताया जा रहा है कि, आज वह दिल्ली पहुंचेंगे जहां पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरेंद्र सिंह तोमर के साथ मुलाकात करेंगे।

सरकार ने वापस लिया डेटा प्रोटेक्शन बिल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बुधवार को डेटा प्रोटेक्शन बिल को लोकसभा से वापस ले लिया है। विधेयक को 11 दिसंबर, 2019 को लोकसभा में पेश किया गया था। विधेयक पेश किए जाने के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा गया था। समिति ने इस विधेयक में 81 संशोधनों का सुझाव दिया था। बिल को वापस लेते हुए केंद्र सरकार ने कहा कि, इतने बड़े पैमाने पर सिफारिशों पर विचार करने के लिए इसे वापस लिया गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से वापस लिए गए बिल का उद्देश्य व्यक्तियों को उनेक पर्सनल डेटा को सुरक्षा प्रदान करना, डेटा के उपयोग को निर्दिष्ट करना और डेटा को संसाधित करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के बीच विश्वास का संबंध बनाना है। इसके अलावा इसमें और कई बिन्दुओं का जिक्र किया गया था।

कई कंपनियों ने किया था विरोध

सरकार ने पिछले वर्ष विधेयक का मसौदा जारी किया था, जिसका कई वैश्विक कंपनियों ने विरोध किया था। कंपनियों का कहना था कि, इससे उनका कारोबार प्रभावित होगा। साथ ही परिचालन व्यय भी बढ़ेगा। विधेयक का मसौदा जस्टिस बीएन श्रीकृष्ण द्वारा जुलाई, 2018 में सौंपी गई रिपोर्ट पर आधारित था।

देश में ही सर्वर स्थापित करने का जिक्र

मसौदा विधेयक में लोगों के डाटा का इस्तेमाल उनकी अनुमति से ही करने का प्रावधान किया गया था। साथ ही डाटा संग्रह के लिए देश में ही सर्वर स्थापित करने का जिक्र था। विधेयक में प्रस्ताव था कि कानून तोड़ने पर कंपनी पर 15 करोड़ या उसके ग्लोबल टर्नओवर के 4 परसेंट तक का जुर्माना लगाया जाए। संवेदनशील डेटा को भारत के अंदर सर्वर पर स्टोर करना होगा।

अज्ञात लोगों ने खंडित किया शिवलिंग

भोपाल। राजधानी भोपाल में कुछ अज्ञातों द्वारा शिवलिंग खंडित कर दिए जाने की खबर सामने आई है। यह पूरा मामला भोपाल के हनुमांगज थाने का है। छोला में धर्म कांटा इलाके के शिव मंदिर में यह घटना हई है। इस घटना के बाद लोगों में नाराजगी है।

दरअसल, हनुमानगंज इलाके में सड़क किनारे स्थित शिव मंदिर में शिवलिंग के साथ कई भगवानों की मूर्ति स्थापित है। सुबह अचानक लोगों की नजर मंदिर जब मंदिर में पढ़ी तब उन्हें शिवलिंग क्षतिग्रस्त दिखा। इस घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय लोगों की भारी भीड़ वहां इकट्ठा हो गई और पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंचकर मामले को शांत करवाया।

लंगोट के ढीले और शराब माफिया की वजह से मेघनगर जनपद में भाजपा लुढ़की

जमी-जमाई जमावट पर पानी फेरा- नतीजा जनपद में कांग्रेसी

माही की गूंज, झाबुआ/मेघनगर

''करें कौन और भरे कौन'' उक्त बात जगजाहिर हो रही है मेघनगर जनपद में। सत्ता केंद्र और राज्य में होने के बावजूद भाजपा के ही दो जिद्दी जुनून जो वह कहें वही वो करें और वही सही। उनकी मर्जी के ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष रहे, यही वट बाजी भाजपा की मेघनगर जनपद बनते-बनते लुढ़क गई।

कभी एक दूसरे को अप्रत्यक्ष किरकिरी के रूप में देखने वाले भाजपा के लक्ष्मणसिंह नायक जो कि, जिला अध्यक्ष और पूर्व जिला मंत्री शराब माफिया व लंबे समय से तड़ीपार रहा कमलेश दातला की जुगलबंदी व अपने ही अपनों की चाहत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष उनका कोई छल्ला बने इस जिद ने पूरी भाजपा व पूर्व जनपद अध्यक्ष सुशीला प्रेमसिंह भाबर की मेहनत पर पानी फेर दिया।

दोनों नायक बंधु ने अपनी मनमर्जी के स्टांप मेंबर से जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष बनवाने भाजपा की मुहर लगा दी। लेकिन पर्दे के पीछे हकीकत तो यह है कि पुरजोर बाड़ाबंदी स्नेह, मिलनसार, व्यवहार विपक्ष को भी अपने खेमे में करने में कामयाब सुशीला प्रेम भाभर की रणनीति थी। किंतु उक्त माफियाओं ने सता के तवे पर रोटी सेकने व अपने नंबर बड़वाने का कारनामा करने वाले खुद का जनाधार नहीं होने वाले शराब माफिया जो कि एक केस में गुजरात में शरण लेने वाले कमलेश ने मनमर्जी कर भाजपा संगठन में सुशीला की बजाए अन्य के नाम प्रमाणित किया। सुशीला भाभर ने गुटिया राजनीति का शिकार होते हुए फार्म खींच लिया। चुनाव में वोटिंग की स्थिति पर भी सुशीला ने मन को मार खामोश रह भाजपा के पक्ष में खुद को पिघलाकर संगठन के प्रति समर्पित रही। नए चेहरे को भाजपा की ओर से मैदान में उतारने के कारण कांग्रेस की ललिता मुनिया विजय रही।

उपाध्यक्ष पद पर पूरी कोशिश नायक बंधु सन्नू राम सिंह को बनवाने के लिए रही। कांग्रेस की ओर से 2 आवेदक होने के बावजूद यहां भी बाजी भाजपा के हाथ से निकल गई व कांग्रेस के नेता गौरसिंह की पत्नी के हाथ चली गई। यहां भी सुशीला पति गौरसिंह भूरिया विधायक वीर सिंह भूरिया की रणनीति के चलते विजय हुई।

''खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे'' की तर्ज पर परिणाम के दिन निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान ही अपनी हार का अंदेशा लगाने से बौखलाई भाजपा नेता लक्ष्मण नायक व कमलेश आक्रामक होते हुए हाथापाई के मूड तस्वीरों में साफ देखे जा सकते हैं। हांलाकि प्रशासन और पुलिस के सामंजस्य शांति व्यवस्था कायम हो सकी। चुनाव में उपाध्यक्ष पद हेतु भाजपा के नायक बंधु ने एडी चोटी का जोर लगाया पूर्व में भी त्रिस्तरी चुनाव के दौरान ग्राम खच्चर टोडी में फर्जी मतदान की बात सामने आई थी। चुनाव पूर्व शराब पकड़ने से चर्चा में रहे कमलेश की काली करतूत खास करिश्मा नहीं दिखा सकी। कमलेश चुनाव के दिन अपने कुछ नेताओं को फोन पर हार के लिए सुशीला को जिम्मेदार बताने लगा, जबकि स्वच्छ, साफ छवि दलीय गुटिय खेमे की राजनीति से परे सुशीला ने अपनी अंतरात्मा से पार्टी के प्रति वफादार फर्ज तो निभा कर नगर जनपद अध्यक्ष का भरा फॉर्म फार्म खींच लिया। मेघनगर जनपद चुनाव में जमकर जूतम पेजारो की स्थिति के बावजूद भाजपा का कमल कमलेश की कर्कश व खिचतान के कीचड़ से प्रदेश व देश में सरकार के बावजूद भी कमल खिल नही पाया और भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी फुस्स खेमेबाजी सत्ता की सनक जुनून जीद्द के चलते कांग्रेस ने परचम लहराया।

भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रह क्षेत्र में भाजपा की गुटबाजी अपने नेताओं की जीत जुनून जल्दबाजी व गिरोहबाजी के चलते जीत की संभावना के बावजूद पराजय के पतन की ओर चली गई। अभी भी समय है भाजपा प्रदेश के आकाओं को इन चुनावों से सबक लेकर जल्द संगठन में व्यू रचना को अमलीजामा पहनाते हुए झाबुआ जिला संगठन में परिवर्तन कर जमीनी नेताओ के साथ नई संगठन की नीति पर जोर देना होगा।नही तो जिला पंचायत, मेघनगर जनपद की तरह परिणाम 2023 में झाबुआ की तीनों विधानसभाओं में देखने को मिलेंगे।

एक नहीं पंचायत में कई रोड गायब, ग्रामीणों ने दर्ज करवाई शिकायत

डाबड़ी पंचायत में सीसी रोड और तालाब निर्माण में हुआ भारी भ्रष्टाचार

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

लगातार माही की गूंज के द्वारा विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में वर्ष 2016 के बाद से सरकार की पंच परमेश्वर योजना में खास कर सीसीटम रोड निर्माण, चबूतरा निर्माण कार्य मे भारी भ्रष्टचार को उजागर किया गया है। कई पंचायतो में मामले सामने आ चुके, शिकायत भी हुई, जांच भी हुई, जिसमें योजना की राशि की बंदरबांट बिना कार्य किए करना पाया गया। साथ ही फर्जी बिलो के माध्यम ग्राम पंचायतो द्वारा योजना की राशि जिसे निर्माण कार्य में खर्च करना था उसका भुगतान अन्य सामग्री खरीदी, स्टेशनरी, चाय-नाश्ता सहित साफ-सफाई के समान के लाखों रुपए के बिल आहरण कर लिए गए। वर्ष 2016 से वर्ष 2019 तक कई कार्य ऐसे है जो बिना किए ही राशि का भुगतान कर दिया गया है। लेकिन कोई बड़ी कार्रवाई अब तक जिम्मेदारो की और से देखने को नही मिली है।

उक्त सम्बध में गूंज द्वारा लगातार मय प्रमाण खबरे प्रकाशित की गई। मामले की लिखित शिकायत ईमानदारी का तमका लगाकर पेटलावद जनपद में पदस्थ हुए सीईओ अमित व्यास को की गई। जिन्होंने जांच दल बनाकर मामले की जांच का आश्वासन भी दिया। लेकिन लगता है, साहब की ईमानदारी ऑफिस के केबिन तक ही सीमित हो गई और शिकायत के 6 माह बाद तक इस सम्बंध में कोई जवाब शिकायतकर्ता तक नही आया। जिससे साफ होता है कि, उक्त मामले को केवल स्थानीय स्तर से ही नही बड़े स्तर पर दबाया जा रहा है ताकि सरकार का बड़ा भ्रष्टाचार सामने नही आए।

डाबड़ी पंचायत में सामने आया बड़ा मामला, लाखों की लागत के आज भी दस के लगभग रोड गायब

विकास खण्ड की ग्राम पंचायत डाबड़ी की पूर्व में कई कई शिकायतें हो चुकी है। जिसमे भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप मनरेगा, पंच परमेश्वर, कपिलधारा कूप, पशु शेड, प्रधानमंत्री आवास सहित शासन की कई योजनाओ में हेरा-फेरी की शिकायत हुई थी। जिले से आए जांच दल ने शिकायत की जांच कर अपना पेट भरा ओर रवाना हो गए। मरनेगा के अधूरे पड़े कार्य धोखे से जेसीबी से करवाकर शिकायतकर्ताओ के हस्ताक्षर करवा कर मामला दबा दिया। डाबड़ी ग्राम पंचायत के ग्रामीण आज भी मामले की शिकायत कर रहे है, जिसमे चौकाने वाला खुलासा हुआ है।शिकायतकर्ताओं के अनुसार ग्राम पंचायत में अभी भी लाखों रुपए के दस सीसी रोड नही बने जो वर्ष 2017 में स्वीकृत हुए ओर उनकी राशि निकाल ली गई।

शिकायतकर्ताओं ने आवेदन में उक्त सभी रोडो की लागत, स्वीकृत वर्ष का और निर्माण स्थल का उल्लेख कर रोडो के आज तक नही बनने की शिकायत की है।

आखिर 2016 पंच परमेश्वर योजना में हुए कार्यों की जांच क्यों नहीं...?

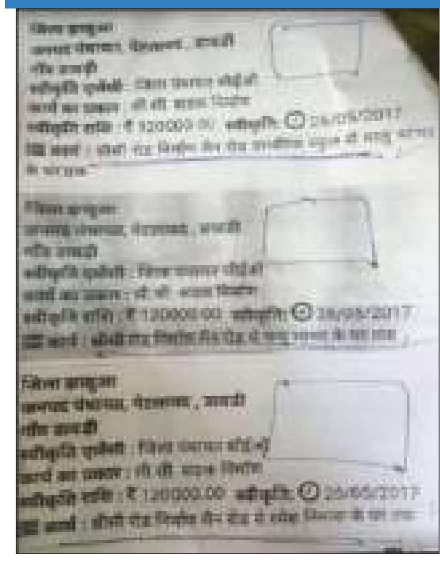

ये रोड जो नहीं बने राशि का हो गया आहरण

'' ग्राम भमती में सीसी रोड निर्माण मानजी देवड़ा के घर से मड़िया मास्टर के घर तक, लागत एक लाख 68 हजार, स्वीकृति वर्ष 2017

'' ग्राम भमती में सीसी रोड निर्माण मैंन रोड से मोहनसिंह के घर तक, लागत एक लाख 44 हजार, स्वीकृति वर्ष 2017

'' ग्राम रूपारेल में सीसी रोड सह नाली निर्माण नरसिंह मैडा के घर से भेरू के घर तक, लागत 2 लाख 67 हजार, स्वीकृति वर्ष 2017

'' ग्राम हवारुंडा में सीसी रोड निर्माण मैंन रोड से माही नहर प्रेमचंद गामड़ के घर तक, लागत 3 लाख 60 हजार, स्वीकृति वर्ष 2017

'' ग्राम रूपारेल में सीसी रोड सह नाली निर्माण नरसिंह मैडा के घर से भेरू के घर तक, लागत 2 लाख 67 हजार, स्वीकृति वर्ष 2017

'' ग्राम डाबड़ी में सीसी रोड निर्माण प्राथमिक स्कूल से बाबू भाभर के घर तक, लागत एक लाख 20 हजार, स्वीकृति वर्ष 2017

'' ग्राम रूपारेल में सीसी रोड निर्माण मैंन रोड से पप्पू भाभर के घर तक, लागत एक लाख 20 हजार, स्वीकृति वर्ष 2017

'' ग्राम रूपारेल में सीसी रोड निर्माण मैंन रोड से रमेश निनामा के घर तक, लागत एक लाख 20 हजार, स्वीकृति वर्ष 2017

ग्रामीणों ने बताया कि, ये मार्ग आज भी मौके पर नही है जिसकी प्रमाणिकता के लिए अधिकारी स्वयं मौका जांच कर सकते है।

जीणोद्धार के नाम पर तालाब की राशि भी हजम, कब काम चला किसको नहीं पता तालाब की स्थिति जस की तस

सीसी रोड के साथ-साथ ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच-सचिव और रोजगार सहायक ने पंचायत में आने वाली सरकारी राशि का दुपयोग किया है। शिकायतकर्ताओ ने बताया कि, पूर्व सरपंच-सचिव व रोजगार सहायक के साथ मिल कर डाबड़ी स्थित दो तालाब कसुमर वाली नाकी और आखरी वाली नाकी के नाम वाले तालब के जीणोद्धार के लिए राशि आहरण कर ली। वर्ष 2022 में कार्य होना बताया गया लेकिन कोई कार्य मौके पर नही किया गया है। तालाब वर्तमान में उसी स्थिति में है जिस स्थिति थे। ग्रामीणों को कोई जानकारी नही है काम कब और कैसे हुआ ओर किसने किया। ग्राम पंचायत के पप्पू निनामा सहित ग्रामीणों ने इस संबंध में आवेदन जनपद सीईओ को देकर इन कार्यो की जांच और सरकारी राशि के दुरुपयोग ओर भ्रष्टाचार करने वालो के विरुद्ध कानूनी करने की मांग करेंगे।

हिंदू जागरण मंच 20 अगस्त को निकालेगा अखंड भारत संकल्प यात्रा

माही की गूंज, थांदला।

हिंदू जागरण मंच के बैनर तले अंखड भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा को लेकर थांदला में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी पदाधिकारियों सहित समर्थकों को बुलाया गया था। इसमें थांदला थाना इकाई मिलकर एक सामूहिक वाहन रैली नगर में निकालेंगे।

बैठक में हिंदू जागरण मंच के नगर अध्यक्ष यश राठौड़ ने बताया कि, प्रतिवर्ष अखंड भारत संकल्प दिवस 14 अगस्त को मनाते है। इस दिन भारत विभाजन का निर्णय हुआ था, उस दिन को भारत को पुनः अखंड करने का संकल्प हिंदू समाज को दिलाना और उसके लिए प्रयत्न करते रहने का संस्कार अपनी आने वाली पीढ़ी को देना, इसी उद्देश्य को लेकर मंच प्रतिवर्ष अलग-अलग स्वरूपों में कार्यक्रम आयोजित करता है। थांदला थाना इकाई की बैठक में निर्णय लिया कि देश की वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए इस वर्ष 20 अगस्त साय 5 बजे थांदला नगर में एक विराट वाहन रैली का आयोजन किया जाएगा। इसमें थांदला थाना इकाई मिलकर एक सामूहिक वाहन रैली थांदला नगर में निकालेगी।

हिंदू जागरण मंच के नगर महामंत्री प्रीतिश शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि, वर्तमान में हिंदु समाज पर जिस प्रकार से जिहादी षडयंत्र चल रहे है। इसका प्रतिरोध संगठित सक्रिय हिंदू समाज द्वारा ही संभव है और दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करना है तो वह केवल अखंड भारत, सक्षम भारत, समर्थ भारत से ही संभव है। जिसको लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। बैठक में उपस्थित मुख्य अतिथि जिला महामंत्री कमलेश वर्मा जिला, उपाध्यक्ष प्रकाश प्रजापत, जिला मंत्री राजेश सोलंकी, जिला भू संरक्षण उमेश पवार, हिंदू समाज के वरिष्ठ अशोक अरोरा, पंडित द्वारका प्रसाद शर्मा ने सभी कार्यकर्ता को विराट वहान रैली को सफल बनाने के लिए संकल्प दिलाया। साथ ही नगर उपाध्यक्ष प्रांजल बैरागी, भरत धानक, नगर मंत्री कुणाल मनसारे, रितिक ओहरी, राकेश वसुनिया, बेटी बचाओ प्रमुख जितेन्द्र बबेरिया, प्रचार प्रमुख तुषार व्यास, कोष प्रमुख मानव वरमंडलीय एवं कार्यकर्ता व समर्थक बैठक में मजुद थे।

युवाओं ने उत्साह पूर्वक किया रक्तदान

माही की गूंज, काकनवानी। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जहां सारा देश स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ मना कर देश के वीर जवानों को याद कर रहे हैं, वही काकनवानी क्षेत्र के ग्रामीण युवाओं ने दस्तक अभियान के दौरान हर घर दस्तक के कार्यक्रम तथा जननी सुरक्षा कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के चलते चिन्हित रक्तचाप कमी से होने वाली जटिलताओं से चिन्हित रोगियों बच्चा एवं गर्भवती महिलाओं से को बचाने के उद्देश्य से युवाओं ने 24 यूनिट रक्तदान बड़े ही उत्साह के साथ किया। सांस्कृतिक महोत्सव के श्रावण मास में नाग पंचमी के दिन बाल मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर की कमी लाने के संकल्प के साथ रक्तदान किया।रक्तदान हेतु जिला स्वास्थ्य समिति झाबुआ के सहयोग से चलित ब्लड कलेक्शन कार्य हेतु जिला बायो केमिस्ट वीरेंद्र सिसोदिया तथा लैब टेक्नीशियन जेपी राठौड़ सीहोर तथा अजीत कटारा द्वारा रक्त जांच एवं कलेक्शन कार्य किया गया।

रक्तदान दाताओं में गांव के पन्नालाल पंचाल, प्रवीण पंचाल, डॉ. संजय नायक, मेहुल पंचाल, निलेश पंचाल, विजेंद्र पंचाल, राजेंद्र पंचाल, प्रवीण धमानिया, राहुल आर्य, प्रकाश भूरा, प्रवीण सोनी, राजेश पंचाल, राटू बारिया, संदीप पंचाल के साथ ही कई युवाओं ने रक्तदान किया।

इस कार्यक्रम को अनौपचारिक रूप से डॉक्टर सोबान बबेरिया एमओ पीएचसी काकनवानी की अध्यक्षता में नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं समस्त पंचगण के साथ ही गांव के कई गणमान्य व्यक्तियों ने हर संभव मदद हेतु एक स्वर में संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. पंकज खतेडिया, मक्कन डामोर, नरेश पंचाल, जवान सिंह बारिया एवं राहुल पंचाल ने रक्तदान संबंधित जानकारी के साथ ही लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण धमानिया एवं आभार डॉक्टर सुभान सिंह बबेरिया ने माना।

मन इच्छाओं की पूर्ति के लिए जरूर करें मंशा महादेव व्रत, व्रत से हुई भक्ति से भोलेनाथ होते है प्रसन्न- पंडित भट्ट

माही की गूंज, पेटलावद। भगवान भोलेनाथ हर तरह की इच्छाओं की पूर्ति करते है। मन की इच्छाओं की पूर्ति करने वाला भगवान महादेव का मंशा महादेव व्रत प्रारंभ हो गया। कई महिला व पुरुषों द्वारा किया जाता है। यह व्रत कोई साधारण व्रत नहीं है। इस व्रत को करने से भगवान शिव मन की इच्छाओं को पूरा करते है। यह बाते पंडित कांतिलाल भट्ट ने नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में कथा श्रवण करवाते हुए श्रद्धालुओं से कही। पंडित भट्ट ने कहा कि, यह व्रत श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की विनायकी चतुर्थी से प्रारंभ होता है जो कार्तिक माह के शुल्क पक्ष की विनायक चतुर्थी को समाप्त होता है। चार माह तक चलने वाले इस व्रत को लेकर काफी कथाएं प्रचलित है। व्रत के दौरान चार माह में आने वाले हर सोमवार को शिवलिंग की पूजा की जाती है। मंशा महादेव व्रत को करने से भगवान शिव मन की इच्छाओं की पूर्ति करते है। श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की विनायकी चतुर्थी को यह व्रत प्रारंभ होता है। इस दिन शिव मंदिर पर शिवलिंग का पूजन करें। मंशा महोदव व्रत के लिए भगवान शिव या नंदी बना हुआ तांबा या पीतल का सिक्का बाजार से खरीद लाएं। इसे स्टील की छोटी सी डिब्बी रख लें। मंदिर पर शिवलिंग का पूजन करने से पहले सिक्के का पूजन करें फिर शिवलिंग का पूजन करें और सूत का एक मोटा कच्चा धागा लें। अपनी मन की इच्छा महादेव को कहते हुए इस धागे पर चार ग्रंथी (गठान) लगा दें। विद्वान ब्राह्मण से मंत्रोच्चार के साथ संकल्प छोड़ दें और कथा का श्रवण करें। जिसके बाद भगवान शिव का भोग लगाकर उनकी आरती उतारे। इस तरह कार्तिक माह शुक्ल पक्ष की विनायक चतुर्थी तक यह व्रत करें और इस दौरान आने वाले हर सोमवार को शिवलिंग और सिक्के की इसी तरह पूजा करें। व्रत का समापन कार्तिक माह की विनायक चतुर्थी के दिन करें। इस दिन धागे पर लगी हुई ग्रंथियां छोड़ दें और भगवान शिव को पौने एक किलो आटे से बने लड्डुओं का भोग लगायें और लड्डुओं को वितरित कर दें। व्रत को लगातार चार वर्ष तक करना होता है।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को चेताया, लालच व फायदे के लिए जनता के काम नहीं अटकाएं अन्यथा कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें

ताल तहसीलदार का वेतन रोका विभागीय जांच की धमकी

माही की गूंज, रतलाम।

कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों की बैठक विगत दिवस आयोजित की। एजेंडा अनुसार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नामांतरण बंटवारे तथा सीमांकन में कई राजस्व अधिकारियों द्वारा अनावश्यक रूप से की जा रही देरी को गंभीरता से लेते हुए चेताया कि, अपने फायदे लालच के लिए जनता के काम नहीं अटकाये अन्यथा कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार है। कलेक्टर ने कहा कि, कई नायब तहसीलदारों तथा तहसीलदारों के मामलों में यह देखने में आया है कि, उनके द्वारा नामांतरण सीमांकन बंटवारे के प्रकरण कुछ पाने की अपेक्षा में अनावश्यक रूप से देरी से निराकृत किए जाते हैं जोकि घोर आपराधिक है। बैठक में अपर कलेक्टर एमएल आर्य, एसडीएम संजीव पांडे, हिमांशु प्रजापति, सुश्री कृतिका भीमावद, सुश्री मनीषा वास्कले, एसएलआर रमेश सिसोदिया, तहसीलदार गोपाल सोनी आदि उपस्थित थे।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा में देखने में आया कि, कलेक्टर न्यायालय के प्रकरणों में तहसीलदारों नायब तहसीलदारों द्वारा ठीक से तामिली नहीं करवाई जा रही है। जिस पर कलेक्टर द्वारा सख्त नाराजगी व्यक्त की गई। कलेक्टर ने रीडर को निर्देश दिए कि, अब से तामिली के प्रकरणों में देरी होने पर 100 रुपए पेनल्टी प्रतिदिन के मान से संबंधित तहसीलदार या नायब तहसीलदार से वसूले जाएं। बैठक में धारणाधिकार की समीक्षा में 1374 प्रकरण पेंडिंग पाए गए जबकि 443 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। राजस्व विभाग सहित कई विभागों के मामलों की समीक्षा की गई और जरूरी निर्देश कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ने जारी किए साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कार्यवाही करने की बात कही है।

ताल नायब तहसीलदार मिश्रा का वेतन रोका विभागीय जांच की चेतावनी

बैठक में समीक्षा के दौरान कलेक्टर सूर्यवंशी द्वारा जिले की ताल तहसील में राजस्व प्रकरणों के निपटारे में अत्यधिक देरी एवं शिथिलता पाई गई। जिससे आमजन को परेशानी हो रही है। कार्य में ढिलाई को कलेक्टर ने गंभीरता से लेते हुए नायब तहसीलदार मिश्रा का वेतन रोकने तथा उनके विरुद्ध विभागीय जांच की चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। प्रकरणों में काफी पुराने समय से ढिलाई को देखते हुए ताल में पूर्व पदस्थ तहसीलदार सुश्री स्वाति तिवारी के विरुद्ध भी विभागीय जांच करवाने के निर्देश कलेक्टर ने दिए।

रतलाम कलेक्टर की कार्यप्रणाली से खुश है जनता

अक्सर देखा गया है कि, कई विभागों में होने वाली लापरवाही और भ्रष्टाचार के लिए छोटे अधिकारी और कर्मचारियों को निशाना बना दिया जाता है। लेकिन जिले के कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी द्वारा लगातार जिले में पदस्थ बड़े अधिकारियों को ही उनके विभाग में होने वाली लापरवाही के लिये जिम्मेदार मान कर कार्यवाही की जा रही है। जिससे अधिकारी वर्ग लगातार अपने विभाग कार्यप्रणाली सुधारने में लगे है। जनता में लगातार रतलाम जिला प्रशासन एक बड़े उदाहरण के रूप में सामने आया है। जहॉं जिम्मेदार अधिकारियों की जबाबदेही तय की जा रही है। इसके उलट प्रदेश के कई जिलों खास कर रतलाम जिले की सीमा से लगे जिलों में जिला कलेक्टर द्वारा ऐसी सख्ती तो ठीक विभागों को सुधार के जरूरी निर्देश तक नही दिए जा रहे है। खास कर राजस्व न्यायलयों में वर्षो से सैकड़ो प्रकरण लम्बित है या आदेश होने के बाद भी उनका परिपालन नही हो सका है। बंटवारा, नामांतरण, सीमांकन जैसे समय अवधि में किए जाने वाले कार्यो में लंबा समय खिंचा जा रहा है। अन्य जिले के प्रशासन को रतलाम कलेक्टर के सिख लेनी चाहिये।

जिसने वोट दिया उसी का काम करूंगा, जिसने नही दिया उसका कोई काम होने नही दूंगा

पात्रों को नहीं अपात्र को दिया जा रहा है लाभ

माही की गूंज, झाबुआ।

देश के लोकतांत्रिक ढांचे में यूं तो कई तरह के चुनाव और निर्वाचन होते ही रहते है। लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा के साथ-साथ नगर निगम, नगरीय निकायों व नगर परिषदों के चुनाव में खासी सरगरमियां देखने को मिलती है, लेकिन इन सबसे अलग हटकर पंचायती राज चुनाव के मामले कुछ अलग ही होते है। इन्ही चुनावों में कहीं शांति-सौहाद की मिशान देखने को मिलती है तो कहीं जनमो जनमांतर की दुश्मनियां देखनें को आसानी से मिल जाती है। इसका सीधा सा कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी कम होती है। जो कुछ भी होता है आमने-सामने होता है। ग्रामीण इलाकों में कई जगह निर्विरोध चुनाव हो जाते है तो कहीं भयंकर विवादास्पद स्थितियां पैदा हो जाती है। चूंकि झाबुआ जिला मध्यप्रदेश के पशिचिम क्षेत्र का पिछड़ा हुआ जिला माना जाता है तो यहां इन सब बातों की अधिक संभावना रहती है। हालांकि हाल ही में गुजरे त्रि-स्तरीय पंचायती राज चुनाव में ऐसी कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई, लेकिन अब वर्तमान में चुनाव निपटने के बाद शिकवे -शिकायतों का दौर चल पड़ा है। इसी कड़ी में जीते प्रत्याशियों पर हमले, धमकी देने जैसे मामले सामने आ रहे है तो कहीं जीते हुए सरपंच अपने प्रतिद्वंदियों को धमका रहे है कि जिसने मुझे वोट दिया है उसके सारे काम होंगे और जिसने वोट नहीं दिया उसके कोई काम नहीं होने दूंगा।

मामला पेटलावद तहसील की ग्राम पंचायत रामगढ़ का है। यहां ग्राम पंचायत द्वारा कई शासकीय कामों में अनियमितता बरती गई है। पंचायत के करीब हर कार्य में भेदभाव पूर्ण तरीके से काम किया जा रहा है। सीसी रोड़, नाली, मेड बंधन, पशु शेड, शौचालय, पेयजल व्यवस्था तथा स्ट्रीट लाइट आदि अनेक कार्यों में भेदभाव व भ्रष्टाचार किया जा रहा है। सीसी रोड व नाली सिर्फ कागजों में बन गई, जिसके बिल बनाकर भुगतान भी प्राप्त कर लिया गया। जबकि मौके पर सीसी रोड व नाली का नामों निशान तक मौजूद नहीं है। गांव के बीस साल पुराने कुए को नवीन कुंआ बताकर उसका भी भुगतान निकाल लिया गया। अभी वर्तमान में गांव के ही एक व्यक्ति के नाम पर प्रधानमंत्री आवास की दो-तीन किस्तें निकल ली गई, लेकिन उक्त प्रधानमंत्री आवास जमीन से गायब है। इसके अलावा पंचायत के रोजगार सहायक व उपसरपंच ने अपने ही घर में माता को अलग, पिता को अलग, भाई को अलग, पत्नी को अलग तथा अन्य रिश्तेदारों को भी इसी तहर से सभी व्यक्यिों को अलग-अलग सरकारी योजनाओं लाभ दिलवा दिया और अब सरकारी योजनाओं के लिए बनी नवीन सूची में भी इन सभी लोगों का नाम दोबारा डाल दिया गया है।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत रामगढ़ में भ्रष्टाचार की गंगा बही जा रही है। अभी हाल ही में हुए पंचायत चुनाव में विजेता रहा सरपंच आम लोगों को खुलेआम यह कह रहा है कि जिसने मुझे वोट दिया उसका ही काम करूंगा और जिसने वोट नहीं दिया उनका एक भी काम नहीं होने दूंगा। जबकि ग्राम पंचायत रामगढ़ में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि जिनके घर में बारिश का पानी टपकता है, जो लोग दिन-रात मजदूरी कर अपना भरण पोषण करते है, इनमें से कई ऐसे है जिनके पास बीपीएल कार्ड ना होकर उन्हे एपीएल कार्ड दिए गए है। जबकि इसके उल इसी ग्राम पंचायत में कई ऐसे लोग है जिनके पास दो-दो बिलडिंग, घर में सारी सुविधा मौजदू है बावजूद इसके उन्हे पंचायत ने बीपीएल राशन कार्ड जारी कर रखे है। ऐसी कई शासकीय योजना और व्यवस्था है जो पात्र लोगों को मिलने की बजाय अपात्र लोगों को दी जा रही है।

इस आशय का आवेदन मंगलवार को कलेक्टोरेट में होने वाली जनसुनवाई में ग्राम पंचायत रूपगढ़ के ग्रामीणों ने कलेक्टर के शिकायत करते हुए दिया। ग्रामीणों ने आवेदन के साथ मय प्रुफ के कई दस्तावेजों की लंबी -चौड़ी सूची भी कलेक्टर को आवेदन के साथ प्रस्तुत की। ग्रामीणों ने आवेदन देते हुए मांग की है कि ग्राम पंचायत में किए गए सभी कार्यों की जांच करवाई जाकर दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

शपथ समारोह के दिन प्रशासन का अतिक्रमण समारोह, मुख्य चौराहे पर बाधित यातायात को सुधारने की मुहिम

रोड के लेवल में लगे पेवर हटाने को लेकर हुआ विवाद, नुकसानी से बचना हो तो करो पक्का अतिक्रमण

- अतिक्रमण हटाने पहुँची प्रशासन की टीम।

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

ग्राम के मुख्य चोराहे पर बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था और बार-बार लगने वाले जाम से निजाद पाने के लिए प्रशासन ने सोमवार से मुहिम शुरू की। सोमवार को प्रशासन ने रतलाम-झाबुआ स्टेट हाइवे से लगे ग्राम के मुख्य चौराहे पर बैठकर सब्जी बेचने वालों सहित चोराहे पर स्थिति दुकानों के आगे लगे टिन शेड हटाने के सख्त निर्देश एसडीएम गेमावत और तहसीलदार जगदीश वर्मा ने दिए थे। मंगलवार विकास खण्ड की सभी पंचायतो में एक साथ नई परिषद व पंचायत का शपथ विधि कार्यक्रम होना था। लेकिन प्रशासन दल-बल के साथ ग्राम के अतिक्रमण को हटाने के लिए जेसीबी लेकर पहुँच गया। प्रशासन की हिदायत के बाद सब्जी ठेले वाले चोराहे से हट कर प्रिंस प्रशान्त मार्ग पर निकल गए, लेकिन अस्थाई पक्का निर्माण और ढालिये प्रशासन द्वारा हटाने की कार्यवाही की गई।

रोड़ से सट कर लगे पेवर हटाने को लेकर हुआ विवाद, अतिक्रमण करो तो पक्का वाली नीति पर काम करता दिखा प्रशासन

बारिश के बीच अतिक्रमण को लेकर तहसीलदार वर्मा और सारँगी टप्पा तहसील की नायब तहसीलदार अंसारी दल-बल के साथ ग्राम में थे। सब्जियों की दुकान हटने के बाद चोराहे पर स्थित दुकानों ओर मकानों के आगे लगे ढालिये और फेवर्स जेसीबी से हटाए गए। यहां प्रशासन ने अपनी दोहरी नीति का परिचय देते हुए मुख्य मार्ग ओर मकानों के बीच लगे फेवर्स हटाने में दिखी। एक और गंदगी ओर कीचड़ से बचने के लिए खुद शासन फेवर्स लगा रहा है वही दूसरी ओर सड़क के लेवल से लगे फेवर्स को जेसीबी हटाकर जबरन नुकसान कर रहा है, जो कि मकान मालिक को हियादत देकर निकलवाये जा सकते थे। सबसे बड़ी बात प्रशासन मुख्य मार्ग से लगे मकानों को छोड़ दिया और सड़क से 15 फिट दूर बने मकानों के आगे लगे फेवर्स हटा दिए। कुल मिला कर प्रशासन सीधे-सीधे लोगो को सड़क तक पक्का निर्माण करने के लिए प्रेरित करता रहा। फेवर्स हटाने के दौरान प्रशासन और लोगो के बीच भारी बहस भी हुई। फेवर्स हटाने का विरोध करने वालो के मकान तोड़ने की धमकी प्रशासन द्वारा दी गई, जिसका कड़ा विरोध देखने को मिला और प्रशासन की इस कार्यवाही लोगो ने कड़ी निंदा की।

- अस्थाई पेवर्स जेसीबी से तुड़वाते अधिकारी।

चुनाव के दौरान ट्रैफिक में फंसे थे कलेक्टर, एम्बुलेंस भी फंस चुकी है

ग्राम के मुख्य चोराहे पर लगी सब्जियों की ठेलागाडीयो के लिए पूर्व में पशु चिकित्सालय के सामने जगह दी गई थी। सब्जी के साथ-साथ अन्य अस्थाई दुकानों को ले जाने पर विवाद गहरा गया और धीरे-धीरे कटलरी ओर कपड़े वालो के साथ-साथ सब्जी और फल-फ्रूट की दुकानें भी फिर से मुख्य चोराहे पर आ गई। चुनाव के दौरान जिला कलेक्टर सहित पूरा प्रशासन अमला दौरे पर था। तब ग्राम के मुख्य चोराहे पर बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था में कलेक्टर का वाहन फस गया और खुद एसडीएम को गाड़ी से उतरकर ट्रैफिक में फंसे वाहनों को हटाना पड़ा था। तब से मुख्य चोराहे से अतिक्रमण हटा कर यातायात सुधराने की बात की जा रही थी और चुनाव की समस्त प्रक्रिया निपटते ही प्रशासन ने नगर का अतिक्रमण हटवाया। ग्राम के मुख्य चोराहे पर अतिक्रमण के कारण रोज हर आधे घन्टे में जाम की स्थिति निर्मित हो जाती थी और कई बार एम्बुलेंस सहित जरूरी वाहन यहां ट्रैफिक में फंस जाते है।

पेड़ो की छटाई भी जरूरी, हो सकता है बड़ा हादसा

ग्राम के मुख्य मार्ग पर लगे दो से तीन पेड़ भी घने होने के कारण सड़क के ऊपर तक आ गए है जिसमे बड़े ट्राले उलझ जाते है ओर इन पेड़ों के सहारे जा रही विधुत लाइन भी कई बार टूटने के कारण बड़े हादसों को निमंत्रण दे रही है। कई बार पेड़ के बड़े हिस्से भी भारी वाहनों में फसने से हादसे होते-होते बचे है। ग्राम के मुख्य चोराहे पर लगे इन पेड़ों की छटाई भी जरूरी है जिससे मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को पेड़ो की डालियों ओर तारो में उलझना न पड़े और कोई बड़ा हादसा न हो।

- इस तरह मुख्य चोराहे पर पेड़ो में उलझ जाते है बड़े वाहन, हादसों का बना रहता है डर।

पोस्ट ऑफिस ने शुरू किया हर घर तिरंगा अभियान

माही की गूंज, झकनावदा।

देश की आजादी के 75वे वर्ष के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान की घोषणा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई। इस अभियान के तहत देश के पीएम ने सभी नागरिकों से अपने अपने घरों में तिरंगा झंडा फहराने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट के जरिए हर घर तिरंगा अभियान के तहत इस अपील को जनता तक पहुंचाई है। इस वर्ष देश के 75 वर्ष पूर्ण होने पर हम भी 75 वा स्वतंत्र दिवस मनाने वाले हैं। इस अवसर को मनाने के लिए अमृत महोत्सव की शुरुआत की गई है। यह पहल भारत के सभी नागरिकों के लिए बहुत ही खास है। इसलिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सभी नागरिकों को आजादी का जश्न मनाने के लिए हर घर तिरंगा अभियान में शामिल होने का आग्रह किया है।

हर घर तिरंगा अभियान योजना के तहत झकनावदा पोस्ट ऑफिस के द्वारा भी इस योजना का शुभारंभ ग्राम में किया गया और पोस्ट ऑफिस धतुरिया में भी ग्रामीणों को हर-घर तिरंगा अभियान से जोड़ा गया। जिसमें हर घर तिरंगा योजना अभियान को लेकर पोस्ट मास्टर सुनील शिंदे, पोस्ट मास्टर रवि सिंदडा धतुरिया मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आज से शुरू होगी श्रीमद्भागवत गीता

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

ग्राम में श्री कृष्ण कामधेनु गौशाला पर आज 4 अगस्त से श्रीमद्भागवत गीता का शुभारंभ होगा। जिसका समापन 10 अगस्त को 3 बजे होगा। श्रीमद्भागवत गीता प्रारंभ होने से पूर्व श्री राम मंदिर अंबिका चौक से पोथी एवं कलश यात्रा का शुभारंभ सुबह 10 बजकर 35 मिनट पर होगा, तत्पश्चात आचार्य डॉ. देवेंद्र शास्त्री द्वारा व्यास पीठ पर विराजमान होकर सुबह 11 बजकर 15 मिनट से शाम 3 बजे तक श्रीमद्भागवत गीता का रसपान कराया जाएगा।कथा का आयोजन रमेश भटेवरा परिवार रायपुरिया के द्वारा अपने माता एवं पिताजी की पावन स्मृति में करवाया जा रहा है। कथा समापन के पश्चात प्रतिदिन महा प्रसादी का आयोजन रखा गया है। प्रथम दिन कमलेश पाटीदार को इसका शुभ अवसर प्राप्त हुआ है। नारायण भक्ति संघ ने सभी भक्तजनों से आह्वान किया कि, अपने परिवार और इष्ट मित्रों सहित कथा श्रवण करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में पधार कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनी देरानी- जेठानियां

माही की गूंज, मेघनगर। निसार पठान

फूल नहीं चिंगारी है, यह ग्रामीण नारी है। जी हां महिला सशक्तिकरण व नारी चेतना का जादू भी अब शहरों से लेकर गांवों में देखने को मिल रहा है। कभी घूंघट की आड़ व गांव में अपने घरों के कामकाज सहित चुल्हा फूंकने तक सिमित रहने वाली महिलाएं भी अब पंचायती राज होने से अपने अधिकारों को पहचान ग्राम सरकार से लेकर जिला सरकार तक में अपनी भागीदारी करने लगी है। महिला सशक्तिकरण व सत्ता के सफर में ग्रामीण महिलाएं भी अब पीछे नहीं है। मेघनगर, थांदला विकासखंड सहित जिले में कई स्थानों पर पंच, सरपंच, जनपद सदस्य, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य व अध्यक्ष में महिलाओं का निर्वाचित होना बता रहा है कि नारी चेतना अब राजनीतिक समर में भी आगे है। परवाड़ क्षेत्र में तो महिला जनप्रतिनिधि जिले में आगे है। थांदला विधानसभा में 5 महिला जिला पंचायत सदस्य है, तो जयस से भी महिला शक्ति ने अपना दबदबा कायम कर राजनीतिक समर में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है। इस बार जिला पंचायत अध्यक्ष शिक्षित व सामाजिक पृष्ठभूमि की सोनल जसवंत भाबोर के निर्वाचित होने से महिला सशक्तिकरण व बालिका शिक्षा को भी गर्व है।

श्रीमती सुशीला गौरसिंह भूरिया जनपद उपाध्यक्ष मेघनगर

श्रीमती सबुरी भमरसिंह भूरिया सरपंच ग्राम पंचायत तोरनिया

श्रीमती रमीला कालूसिंह भूरिया जिला पंचायत सदस्य झाबुआ

मेघनगर ब्लॉक के छोटे से गांव बावड़ी जो कि तोरनिया पंचायत के अंतर्गत आता है। वहां भूरिया परिवार की तीन बहुओं की चर्चा चौराहे से चौपाल तक नारी जागरूकता व सशक्तता की कहानी बयां कर रही है। राजस्थान, गुजरात सीमा से लगे उक्त गांव में संयुक्त परिवार के साथ राजनीतिक संयुक्तता व एकता की मिशाल भी भूरिया परिवार में देखने को मिली है। सबसे बड़ी सुशीला गौरसिंह भूरिया जनपद सदस्य का चुनाव जीत न सिर्फ तीन पंचायतों के जनपदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगी। अपितु कसमकश भरे त्रिकोणीय संघर्ष में अपनी सादगी, सहृदयता व मिलनसारी छवि व पति गौरसिंह भूरिया की राजनीतिक पकड़ के चलते जनपद उपाध्यक्ष भी निर्वाचित हुई है। मंझली बहु सुशीला की देरानी सबुरी भंवरसिंह भूरिया अब निर्वाचित हो सरपंच बन तोरनिया गांव की कमान संभालेगी। ज्ञातव्य है कि तोरनिया ग्राम पंचायत के अंतर्गत ही बावड़ी गांव आता है। सबसे छोटी बहु सुशीला व सबुरी की देरानी रमिला कालूसिंह भूरिया तो पहली बार चुनाव लड़ जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुई। रमिला ने भाजपा समर्थित डॉ. नेहा डामर को हजारों वोटों से शिकस्त देकर जिला सरकार में अपना कदम बढ़ाया है। एक ही परिवार व छोटा सा गांव बावड़ी, सरपंच से लेकर जनपद व जिला पंचायत में प्रतिनिधित्व से वे खुशियों से सरोबार है। तीनों सुशीला, सबुरी व रमिला एक मत से गांव व क्षेत्र का विकास, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं सही, गांव में बड़े रोजगार मूलक कार्य करवाने का लक्ष्य लिये हुए है। तीनों अपनी जीत का श्रेय क्षेत्रीय विधायक वीरसिंह भूरिया व क्षेत्र के कांग्रेस के दबंग नेता पारसिंग डिंडोर को देती है। साथ ही बावड़ी पाल व तोरनिया गांव के मतदाताओं को भी आभार जताती हुई जीत का श्रेय देती है। तीनों देवरानी-जेठानियां अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए बेटी-बचाओ, बेटी पढ़ाओ की रोल मॉडल भी सिद्ध हो रही है।

भुंजरिया पर्व का आरंभ नाग पंचमी से

माही की गूंज, थादला।

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की नागपंचमी के दिन से भुंजरिया पर्व की शुरुआत की जाती है। इस दिन गवली समाज की बालिकायें और महिलाएं खेतों से टोकरी में मिट्टी लाकर अपने अपने घरों में भुजंरिया बोती है और घर पर झूला बांधकर उन भुंजरिया को झूले में झूलाती हैं।

इस पर्व की प्रचलित जानकारी के अनुसार आल्हा की बहन चंदा श्रावण माह में ससुराल से मायके आई तो सारे नगरवासियों ने कजलियों से उनका स्वागत किया था। महोबा के सिंह सपूतों आल्हा-ऊदल-मलखान की वीरता की गाथाएं आज भी बुंदेलखंड की धरती पर सुनीं व समझी जाती है। बताया जाता है कि, महोबा के राजा परमाल, उनकी बिटिया राजकुमारी चन्द्रावलि का अपहरण करने के लिए दिल्ली के राजा पृथ्वीराज ने महोबा पर चढ़ाई कर दी थी। उस समय राजकुमारी तालाब में कजली सिराने अपनी सखियों के साथ गई हुई थी। राजकुमारी को पृथ्वीराज से बचाने के लिए राज्य के वीर महोबा के सिंह सपूतों आल्हा-ऊदल-मलखान ने वीरतापूर्ण पराक्रम दिखाया था। तब इन दो वीरों के साथ में चन्द्रावलि के ममेरे भाई अभई भी उरई से जा पहुंचें। और कीरत सागर ताल के पास हुई लड़ाई में अभई को वीरगति प्राप्त हुई। उसमें राजा परमाल को बेटा रंजीत भी शहीद हो गया। बाद में आल्हा-ऊदल, और राजा परमाल के पुत्र ने बड़ी वीरता से पृथ्वीराज की सेना को हराया और वहां से भागने पर मजबूर कर भगा दिया। महोबे की जीत के बाद पूरे बुन्देलखंड में कजलियां का त्योहार मनाया जाने लगा है। आज भी कई स्थानों पर वह त्योहार विजयोत्सव के रूप में मनाया जाता है। आज भी बुंदेली इतिहास में आल्हा-ऊदल का नाम बड़े ही आदरभाव से लिया जाता है 12 दिनों तक चलने वाले इस पर्व की जानकारी दिनेश मोरिया द्वारा बताया गया कि, भुंजरीयाओ का विसर्जन राखी के दूसरे दिन भादव माह की एकम पर गवली समाज के लोगों द्वारा अपने-अपने घर पर खीर पुरी मिठाई का भोग लगाकर पूजा अर्चना की जाती है व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ विसर्जन किया जाता है।

जिनालय शुद्धिकरण महाअभियान 14 अगस्त को

माही की गूंज, बामनिया।

मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, बिहार के एक हजार 500 से अधिक जिनालयो के शुद्धिकरण का कार्य मालव भूषण आचार्यदेव श्री नवरत्नसागर सूरीश्वरजी म.सा. की पावन स्मृति मे एवं पट्टधर शिष्यरत्न युवाचार्य श्री विश्वरत्नसागर सूरीश्वरजी म.सा. के मार्गदर्शन में वर्ष 2011 से अनवरत् होते आया है। श्री जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ व नवरत्न परिवार के माध्यम से यह पूण्य कार्य होने जा रहा है। इसके तहत 1500 जिनालय का एक ही दिन, एक ही साथ, एक ही समय पर जिनालय शुद्धिकरण का कार्य किया जाएगा। शास्त्रो के अनुसार भक्त से जिनालय में वर्ष भर में हुई अशातनाओ के लिए प्रभु से मिच्छामि दुक्कड़म के स्वरूप इस अभियान में नवरत्न परिवार के युवानो के साथ-साथ सकल जैन समाज के सभी सदस्य, सभी प्रभुभक्त इस पुनीत कार्य मे सम्मिलित हो कर पूरी ऊर्जा के साथ में शुद्धिकरण कार्य को सम्पन करेंगे।

बता दे कि, यह पूण्यकार्य युवाचार्य श्री विश्वरत्नसागर सूरीश्वरजी म.सा. के मार्गदर्शन में चल रहा है। श्री जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ एवं नवरत्न परिवार के पदाधिकारीगण हर जैन श्रीसंघो मे पहुंच कर जिनालय शुद्धिकरण किट का वितरण का कार्य अति उत्साह से करेंगे। गोरतलब है कि, नवरत्न परिवार द्वारा यह अभियान विगत 10 वर्षों से चलाया जा रहा है। शुरुआत में 600 जिनालयों से इस अभियान की शुरुआत हुई थी जो अभियान इस वर्ष 1500 जिनालयों तक पहुंच गया है। युवाचार्यश्री ने सकल चतुर्विद श्रीसंघ एवं समस्त जैन संगठनों, युवा मंडल, महिला मंडल, बालक-बालिका मंडल को इस अभियान में जुड़ने ओर जोड़ने की मंगलमय प्रेरणा की है। इस अभियान के मुख्य संयोजक दिनेशभाई दोशी दिल्ली, सह संयोजक व संरक्षक ललित सी जैन इंदौर, राष्ट्रिय अध्यक्ष राजेश जैन उज्जैन (डगवाला) व आयोजन के मुख्य प्रभारी प्रितेश ओस्तवाल इंदौर ने सभी श्रावक श्राविकाओं से अभियान मे जुड़कर सफल बनाने का आह्वान किया है। उक्त जानकारी शरद गुगलिया द्वारा दी गई।

181 पर शिकायत के बाद आवेदक की स्थिति "चुहा भाग बिल्ली आई", शिकायत कर अपनी ही जान सांसत में डाल रहे आवेदक

माही की गूंज, झाबुआ।

जिस तरह चुहा बिल्ली के खतरे से बचने के लिए छुपता फिरता है या परेशान रहता है। वैसी ही हालत इन दिनों 181 पर शिकायत करने वालों की हो गई है। वो कहते है ना ''चुहा भाग बिल्ली आई''। कहने को तो 181 सीएम हेल्पलाइन को नागरिकों द्वारा शासकीय योजनाओं की जानकारी, शिकायत, मांग तथा सुझाव हेतु शुरू किया गया था। इसका शुभारंभ 31 जुलाई 2014 को लोक सेवा प्रबंधन विभाग के अंतर्गत किया गया। माना यह जा रहा था कि यह योजना सुदूर ग्रामीण अंचलों में रहने वाले लोगों की समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में अभिनव प्रयास है। इसके जरिये 181 पर कॉल रिसीव कर, प्राप्त शिकायतों को निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को प्रेषित किया जाता है तथा अधिकारियों द्वारा निराकरण के बाद संबंधित नागरिकों को निराकरण से अवगत भी कराया जाता है।

मगर वर्तमान में पूरे प्रदेश में स्थिति इसके उलट ही होती नजर आ रही है। 181 पर शिकायत करने के बाद शिकायत कर्ताओं को तरह-तरह के दबावों से होकर गुजरना पड़ता है। हालात ऐसे हो जाते है कि कई शिकयतकर्ता शिकायत के निराकरण होने के पहले ही हार जाते और अपनी शिकायत वापस ले लेते। 181 का भोपाली खेल भी ऐसा कि जिस समस्या को लेकर शिकायत की गई है उसी विभाग के अधिकारियों को आवेदक की शिकायत के निराकरण के लिए पत्र जारी कर सौंप दिया जाता। यहां जाकर स्थिति ऐसी हो जाती कि ''चुहा भाग बिल्ली आई।'' जिस अधिकारी या उसके विभाग के खिलाफ अगर शिकायत दर्ज की गई है तो वह अधिकारी शिकायतकर्ता से फोन पर संपर्क कर समस्या के निराकरण की बात तो नहीं करता वरन शिकायतकर्ता पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने लगता। यदि शिकायतकर्ता नहीं मानता तो उसे तरह-तरह लोक लुभावन वादे अधिकारियों द्वारा किए जाते। अगर फिर भी शिकायतकर्ता पीछे नहीं हटता तो उसे धमकाया जाता। यहां भी नहीं मानने पर मिलने की जुगत अधिकारियों द्वारा लगाई जाती और मामले को रफा-दफा करने की कोशिशें की जाती। कई मामलों में तो ऐसा होता कि जिस अधिकारी या विभाग के खिलाफ शिकायत होती, वही शिकायत का जांच अधिकारी भी बना दिया जाता। और अंत कुछ ऐसा होता कि अधिकारी अपने हिसाब से 181 सीएम हेल्प लाइन पर अपना जवाब शिकायतकर्ता की जानकारी में लाए बगैर ही प्रस्तुत कर देता। अंजान शिकायतकर्ता को बहुत समय बाद पता चलता कि उसकी समस्या का समाधान ऑनलाइन हो चुका है। जबकि जमीनी हकीकत इससे कोशो दूर ही दिखाई पड़ती। पिछले समय में ऐसे कई मामले जिले में देखने को मिले है जिसका निराकरण हुए बगैर ही उसे निराकृत बता दिया गया।

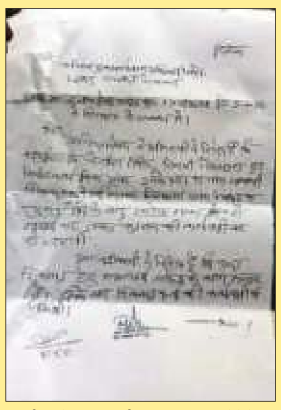

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत वापस लेने के बाद सचिव ग्राम पंचायत गोपालपुरा ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पेटलावद को निराकरण के संबंध में लिखा पत्र।

हालांकि सीएम हेल्प लाइन पर आने वाली शिकायतों को लेकर प्रदेश सरकार बहुत ही मुस्तैद है लेकिन प्रदेश सरकार की इस मुस्तैदी में भ्रष्ट अधिकारी बड़ी ही चालाकी से छेद कर इसकी हवा निकाल देते है। जिला स्तर पर कलेक्टर द्वारा ली जाने वाली समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में हर सप्ताह सीएम हेल्प लाइन के निराकरण के लिए जोर दिया जाता है। लेकिन इसको लेकर जिला प्रशासन कभी सख्ती दिखाता नजर नहीं आता। शिकायतों का निराकरण नहीं करने वाले अधिकारियों पर छोटी-मोटी कार्रवाई कर इतिश्री कर ली जाती। इसका असर यह होता कि अधिकारी शिकायत के बाद निराकरण को लेकर दबाव में आते और इसी दबाव के चलते या तो वे शिकायतकर्ता पर दबाव बनाते या उन्हे डराते-धमकाते या फिर बहला- फुसला कर उन्हे शिकायत वापस लेने के लिए राजी कर लेते।

ऐसा ही एक मामला मंगलवार को उस समय सामने आया जब इसी तरह की कारस्तानी का शिकार हुआ एक युवक आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचा। मामला कुछ ऐसा है कि पेटलावद तहसील के ग्राम गोपालपुरा का कालूसिंह हिहोर कंस्ट्रक्शन का कार्य करता है, उसके पास निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली तमाम मशीने है। इसी को देखते हुए गोपालपुरा सरपंच ने उसे पंचायत में होने वाले निर्माण कार्यों में काम के लिए राजी कर लिया। कालूसिंह हिहोर सरपंच की इस बात पर जारी हो गया और पंचायत में शासन की योजना में चले स्टाप डेम, चेक डेम तथा पुलिया निर्माण का कार्य उसके द्वारा किया गया। अब लंबे समय से कालूसिंह हिहोर अपने किए गए कार्य का पैसा निकालने के लिए इधर-उधर भटक रहा है। कालूसिंह बताता है कि उसका गोपालपुरा पंचायत पर 2 लाख 64 हजार रुपये बकाया है। कार्य किए बहुत समय हो गया लेकिन अब तक मेरा भुगतान पंचायत द्वारा नहीं किया गया। सरपंच-सचिव से जब भी इस संबंध में चर्चा की जाती तो वह एक ही जवाब देते, थोड़ा समय लगेगा लेकिन आपका पेमेंट हो जाएगा। अभी चुनावी माहौल चल रहा है, इसके बाद करवाते है। इस तरह के जवाब सुनते -सुनते कई माह गुजर गए। पंचायती चुनाव की सुगबुगाहट हुई और फिर तारीखें आगे बढ़ गई। मगर मेरा कोई निराकरण नहीं हुआ। फिर कालूसिंह ने इस मामले की शिकायत 05 फरवरी 2022 को सीएम हेल्पलाइन पर की। जिसका शिकायत क्रमांक 17484208 है। सीएम हेल्प लाइन पर शिकायत होने के बाद कालूसिंह के साथ वही खेल शुरू हुआ। शिकायत के बाद कालूसिंह पर संबंधित अधिकारी ने दबाव बनाया और चुनाव बाद पूरा पैसा दिलवाने का कहकर बहला-फुसला कर शिकायत वापस लेने पर राजी कर लिया।

अब जबकि वर्तमान में जिले में सभी तरह के चुनाव संपन्न हो चुके है। ग्राम पंचायत पर पूर्व सरपंच ने फिर से चुनाव जीतकर अपनी दूसरी पारी शुरू कर दी है। लेकिन अब तक कालूसिंह का बकाया 2 लाख 64 हजार रुपये का भुगतान नहीं हो पाया है। संबंधित अधिकारी अब राशि देने पर टाल-मटोल कर रहे है। जबकि सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद यही अधिकारी कालूसिंह के आगे-पीछे घूमकर दबाव बना रहे थे और उन्होने बहला -फुसला कर कालूसिंह द्वारा सीएम हेल्प लाइन पर की गई शिकायत वापस करवा ली थी। यानि ''सांप भी मर गया और लाठी भी नहीं टूटी।'' मगर कालूसिंह की समस्या अब भी वहीं के वहीं खड़ी है।

मुख्यमंत्री हेल्प लाइन से शिकायत वापस लेने के बाद पंचायत सचिव ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पेटलावद को इस विषयक एक पत्र भी लिखा था। जिसमें कहा गया था कि कालूसिंह पिता चेनसिंह हिहोर निवासी गोपालपुरा द्वारा निर्माण कार्य किया गया। इनके द्वारा भुगतान संबंधी शिकायत की गई थी। जिसका निराकरण ग्राम पंचायत का चुनाव होने के बाद मनरेगा शाखा से सम्पर्क कर इनके भुगतान की कार्यवाही कर दी जाएगी। बावजूद इसके कालूसिंह का भुगतान नहीं किया गया।

अपनी इसी समस्या को लेकर आज कालूसिंह हिहोर मंगलवारीय जनसुनवाई में कलेक्टोरेट कार्यालय के जनसुनवाई सभाकक्ष में पहुंचा था। जिसे कलेक्टर कार्यालय से निपटारा कार्ड सात दिन बाद की तारीख देकर रवाना कर दिया गया। अब देखना यह है कि इस जनसुनवाई में शिकायत करने के बाद कालूसिंह की समस्या का कब और कैसे निराकरण होगा? या फिर स्थिति ''ढाक के तीन पात साबित होगी।''

संपादकीय

नकली नकदी, सरकारी सतर्कता व जागरूकता

ये सरकार ही कहती है कि, नोटबंदी के बाद वर्ष 2016 से 2020 के बीच दो हजार के जाली नोटों में 107 फीसदी की वृद्धि हुई है। सोमवार को संसद में वित्त राज्यमंत्री पंकज चैधरी ने बताया कि, वर्ष 2019 व 2020 के बीच दो हजार रुपए मूल्य वर्ग के नोटों में 170 फीसदी की वृद्धि हुई है। हालांकि अर्थशास्त्री मानते हैं कि, पकड़े गए जाली नोट 'टिप ऑफ दि आइसबर्ग' हैं यानी समुद्र में डूबे हिमखंड जितने, जिसका एक छोटा अंश बाहर दिखाई देता और बड़ा हिस्सा पानी के भीतर रहता है। बहरहाल, ये आंकड़े एक निष्कर्ष तो स्पष्ट देते हैं कि, केंद्र सरकार ने वर्ष 2016 में नोटबंदी के दौरान जो यह तर्क दिया था कि इससे नकली नोटों पर लगाम लगेगी, वह निष्फल हुआ है।

नोटबंदी के बाद भी बेलगाम नकली नोटों का प्रचलन इस निष्कर्ष की पुष्टि करता है। आरबीआई ने अपनी वर्षिक रिपोर्ट में कहा था कि, वर्ष 2020-21 की तुलना में 2021-22 के वित्तीय वर्ष में पांच सौ के नोटों में 101 फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, नकली नोटों के छापने में जहां देशी जालसाजों द्वारा मुनाफे को प्राथमिकता दी जाती है, वहीं विदेशी शक्तियां देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने तथा आतंकवादी मिशनों के लिए नकली करेंसी छापती हैं। दरअसल, जाली नोट छापने में मोटा मुनाफा इसके प्रचलन की वजह है। बताते हैं कि, करीब दस रुपए की लागत में पांच सौ का नोट खरा हो जाता है। दरअसल, जैसे-जैसे नई तकनीकें उपलब्ध होती जा रही हैं नकली नोट छापने का खेल तेज होता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर भारत विरोधी देशों के पास नोट छापने की उन्नत तकनीक उपलब्ध है जिसकी वजह से असली-नकली नोट की पहचान मुश्किल हो जाती है। केंद्रीय बैंक जो भी सुरक्षा मानक नकली नोट रोकने के लिए लागू करता है, उसकी भी तुरंत नकल हो जाती है। जिसे आम आदमी जल्दी से भांप नहीं पाता कि नोट असली है या नकली।

विशेषज्ञ तो यहां तक कहते हैं कि, पकड़े जाने वाले नकली नोटों का प्रतिशत महज तीन या चार प्रतिशत होता है। तभी सरकारी आंकड़े हकीकत से दूर होते हैं और नकली नोटों की वास्तविक तस्वीर नहीं बताते। ऐसे में पकड़े गए नोटों से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि वास्तव में प्रचलन में कितने नकली नोट हैं। आम आदमी तय नहीं कर पाता कि जो नोट वह इस्तेमाल कर रहा है वह असली है या नकली। वहीं सरकार भी नकली नोटों की वास्तविक स्थिति को कम ही स्पष्ट करती है, क्योंकि इससे लोगों का राष्ट्रीय मुद्रा पर भरोसा घटता है। ऐसा भी नहीं है कि सरकार व सुरक्षा एजेंसियां मुस्तैदी से काम नहीं करतीं, लेकिन यह खेल बहुत ही सुनियोजित तरीके व आधुनिक तकनीक की मदद से किया जाता है। गाहे-बगाहे जाली नोट छापने वाली प्रिंटिंग प्रेसों पर कार्रवाई होती है, गिरफ्तारियां भी होती हैं, लेकिन रोग कम नहीं होता।

देश का केंद्रीय बैंक भी जाली नोटों के सुरक्षा मानकों में समय-समय पर सुधार करता रहता है ताकि नकली नोट छापने की लागत बढ़े। लेकिन जालसाज भी 'तू डाल-डाल, मैं पात-पात' की तर्ज पर इसके तोड़ खोज निकाल देते हैं। केंद्रीय बैंक नोटों के सिक्योरिटी थ्रेड, वॉटर मार्क, पहचान व छिपे संकेतों आदि से सुरक्षा मानकों को बढ़ाता भी है, लेकिन चतुर जालसाज खेल के तौर-तरीके बदल देते हैं। दरअसल, सरकारी मशीनरी तब तक कामयाब नहीं हो सकती जब तक कि देश के आम लोगों को नकली करेंसी रोकने हेतु जागरूक नहीं किया जाता। दरअसल, कंप्यूटर क्रांति, सूचना क्रांति तथा नई टेक्नालॉजी के प्रसार से नकलचियों पर नकेल डालनी मुश्किल हुई है। नि:संदेह, जाली नोटों को रोक पाना बेहद मुश्किल है, लेकिन चैकसी इसे कम कर सकती है। इसमें बैंकों की सतर्क भूमिका हो सकती है। वित्त मंत्रालय से जुड़ी एजेंसियों, खुफिया व सुरक्षा एजेंसियों की साझा पहल प्रभावी हो सकती है। साथ ही विदेशों से आने वाली नकली करेंसी रोकने के लिए सीमाओं पर मुस्तैदी जरूरी है। निगरानी की आधुनिक तकनीकों के साथ ही नियंत्रण के लिए कानून भी सख्त बनाने की जरूरत है।

दूसरी नहीं धरती, इसे ही बचाइए

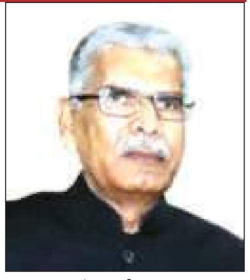

प्रो.आरसी कुहाड़

प्रकृति को संरक्षित और पोषित करने में हम सबका योगदान होना चाहिए। इस संबंध में पर्यावरणविद् और चिपको आंदोलन के नेता रहे सुंदरलाल बहुगुणा का वक्तव्य प्रासंगिक है कि पारिस्थितिकी स्थायी अर्थव्यवस्था है। दरअसल, पर्यावरण को बचाने की नौबत मानव द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के बेतरतीब दोहन के चलते आई। शुरुआत में मनुष्य ने पृथ्वी को समतल कर खेती लायक जमीन बनाई और जीविकोपार्जन के लिए जंगल, जल व जमीन का भरपूर उपयोग किया। कालांतर मनुष्य की जरूरतें व आबादी बढ़ती गई, उसने प्रकृति का अंधाधुंध दोहन शुरू कर दिया जिसके चलते पारिस्थितिकी तंत्र में नकारात्मक परिवर्तन हो गया जो आज घातक सिद्ध हो रहा है।

दरअसल, जब तक उपभोक्तावाद पर नियंत्रण नहीं किया जाएगा, प्रकृति के दोहन में कोई कमी नहीं आएगी। अब समय आन पड़ा है अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करने का कि, कैसे प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर मनुष्य कुदरती संसाधनों का उपयोग कर सकता है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब हम सब प्रकृति के प्रकोप से अपने आप को बचा पाने में असमर्थ पाएंगे। कहीं अतिवृष्टि होगी तो कहीं अनावृष्टि, कहीं लोग पानी के लिए तरसेंगे और कहीं पानी में सारी संपदा बहा देंगे। पिछले कई दशकों में ऐसा देखने में भी आया है। ग्लेशियर सूख रहे हैं, नदियां सिमट रही हैं, रेगिस्तान बढ़ रहे हैं, उपजाऊ जमीन बंजर समान होती जा रही है। जमीन के नीचे पीने लायक पानी बहुत कम रह गया है।

पर्यावरण को संरक्षित रखने के बारे में अब प्रश्न कई उठते हैं कि, कैसे हम बंजर जमीन को पुनः उपजाऊ जमीन में परिवर्तित कर पाएं? कैसे काटे गए जंगलों को पुनः उनकी शक्ल दें? कैसे ग्लेशियर पिघलने से बचाएं? कैसे जंगली जानवरों को उनका आवास प्रदान कर पाएं? असल में दुनिया के कुछ महान लोगों की मिसालें मौजूद हैं जिन्होंने अपना जीवन पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने में ही लगा दिया। इस संदर्भ में पहला नाम है 'भारत के फॉरेस्ट मैन' कहे जाने वाले पद्मश्री जादव मोलाई पायेंग का जिन्होंने कई दशकों के दौरान, ब्रह्मपुत्र नदी के एक सैंडबार पर पेड़ लगाए और उसे वन अभ्यारण्य में बदल दिया। मोलाई वन कहा जाने वाला यह जंगल, जोरहाट, असम में एक हजार 360 एकड़ क्षेत्र में फैला है। अगला नाम है इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्षमित्र पुरस्कार से सम्मानित देवकी अम्मा का जो भारत के विभिन्न हिस्सों से पौधों को लाकर और उनका पोषण करके जैव विविधता की रक्षा रही हैं। पर्यावरण के प्रति उन्होंने जनचेतना जगाई है। देवकी अम्मा द्वारा लगवाये जंगल में विभिन्न प्रजातियों के 3 हजार से अधिक पेड़ हैं। कुछ दुर्लभ पौधे जैसे लक्ष्मी थारू, चीनी संतरा आदि भी हैं। फलों, सब्जियों और फूलों की आपूर्ति करने वाले 200 प्रकार के पेड़ों और झाड़ियों को उन्होंने सहेजा है।

इसी कड़ी में वर्ष 1935 में जन्मे आइस मैन कहे जाने वाले चेवांग नॉरफेल, लद्दाख के एक भारतीय सिविल इंजीनियर हैं, जिन्होंने 15 कृत्रिम ग्लेशियर बनाए हैं। ऐसी अन्य शख्सियत कर्नाटक की पर्यावरणविद् पद्मश्री सालु मरादा थिम्मक्का हैं, जो हुलिकल और कुदुर के बीच राजमार्ग के साथ-साथ चार किलोमीटर तक 385 बरगद पेड़ लगाने के लिए विख्यात हैं। सभी जानते हैं कि सुंदरलाल बहुगुणा पर्यावरणविद् और चिपको आंदोलन के नायक थे। उन्होंने हिमालय में जंगलों के संरक्षण के लिए लड़ाई लड़ी, पहले 1970 के दशक में चिपको आंदोलन के सदस्य के रूप में, और बाद में 1980 के दशक से 2004 के प्रारंभ तक टिहरी बांध विरोधी आंदोलन का नेतृत्व किया। वहीं उत्तराखंड में प्रभा देवी ने 500 से अधिक पेड़ लगाए हैं जो पलासत गांव के संरक्षक के रूप में खड़े हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही कुछ अन्य महिलाएं भी हैं जिनसे प्रेरणा लेकर विद्यार्थी, शिक्षक मिलकर ऐसे ही प्रयास करें तो पर्यावरण का भला होगा। इनमें एक हैं लतिका नाथ जो बाघ राजकुमारी के रूप में जानी जाती हैं। लतिका बाघों पर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाली देश की पहली वन्यजीव विज्ञानी हैं। ऐसा ही नाम है प्रेरणा सिंह बिंद्रा जो एक संरक्षणवादी, पत्रकार, लेखक और कार्यकर्ता हैं। प्रेरणा वन अधिकारियों, रेंजरों और एनजीओ के साथ वन्यजीवों के लिए संरक्षित क्षेत्रों जैसे उत्तराखंड के नंधौर वन्यजीव अभयारण्य और नैना देवी हिमालयन पक्षी संरक्षण रिजर्व में काम करती हैं। ऐसे ही पूर्णिमा देवी बर्मन असम के प्रसिद्ध पर्यावरणविद् ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क, या हरगिला को विलुप्त होने से बचाने की दिशा में काम कर रही हैं। एक और प्रेरक व्यक्तित्व हैं कृति कारंत। वे वन्यजीव संवादी हैं, जो प्रजातियों के वितरण और विलुप्त होने के पैटर्न, वन्यजीव पर्यटन के प्रभावों, स्वैच्छिक पुनर्वास के परिणाम, भूमि-उपयोग परिवर्तन और मानव-वन्यजीव अंतःक्रियाओं पर शोध कर रही हैं। वे वाइल्डसेव नामक परियोजना पर काम कर रही हैं, जिसने हजारों परिवारों को वन्यजीव-मुआवजे के दावे दर्ज करने और उनके सही लाभ प्राप्त करने में मदद की है।

असल में वर्ष के प्रत्येक दिन को पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए और हम में से प्रत्येक को पर्यावरण की रक्षा में योगदान देना चाहिए। मिट्टी, पानी, पौधों, वायु और जीवों की रक्षा व ग्रह पर जीवन बचाने के लिए हमें योजना बनाने और सतत ठोस काम करने की जरूरत है। कहने का सीधा-सा अर्थ है कि दूसरी धरती नहीं है। हमें हर हाल में इसी धरती पर ही रहना होगा और उसे ही संवारना और सजाना होगा। दुनिया के सभी देशों का प्रत्येक नागरिक, संगठन और सरकारें मिलकर इस सतत कार्यक्रम से जुड़ें तो यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

विवादों के घेरे में सरकारी जाँच एजेंसियाँ....?

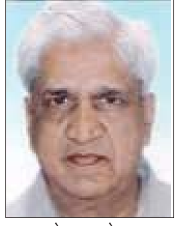

ओमप्रकाश मेहता
लेखक

एक लम्बे समय से भारत में यह सवाल अनुत्तरित ही है क्या सरकारी जांच एजेंसियां पूरी निष्पक्षता से अपना दायित्व निभा रही है? इस सवाल का उत्तर न एजेंसियों के पास है और न ही सरकार के पास.... और विपक्ष हमेशा यही सवाल उठाता रहा है, जब विपक्ष सत्ता में रहता है तो वह भी यह अवैध 'सत्ताधर्म' निभाता है और जब विपक्ष की भूमिका में रहता है तो इन एजेंसियों को सवाल के कटघरें में खड़ा करने का दायित्व निभाता है। ....और जहां तक इन सरकारी जांच एजेंसियों का सवाल है उन्हें चाहे संवैधानिक दर्जा दिया गया हो, किंतु उनकी मुख्य मजबूरी सत्ता तक किसी भीसरकारी जांच एजेंसीने इस चलन का विरोध नहीं किया। सत्ता केवल और केवल राजनीतिक स्वार्थ और अगली सात पीढ़ी तक की सभी जरूरी व्यवस्थाऐं करने तक ही सीमित हो गई है, और इस आकांक्षा की पूर्ति के लिए किए जा रहे भ्रष्टाचार सहित गैर कानूनी कार्यों में इन सरकारी जांच एजेंसियों से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा की जा रही है। अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए आज के राजनेता इन एजेंसियों को 'कठपुतली' बनाने की कौशिश करते है और वे अपने इस गैर कानूनी कार्य में कुछ हद तक सफल भी हो रहे है।

सत्ताधीशों का यह रवैया किसी पार्टी विशेष तक सीमित नहीं है जो भी राजनीतिक दल सत्ता में होता है वही यह करने का प्रयास करता है.... और जांच एजेंसियां उनके इशारों पर नाचने को मजबूर हो जाती है, फिर वह चाहे कानूनी हो या गैर कानूनी? हद तो तब हो जाती है जब एक जांच एजेंसी छः साल पहले किसी जांच को बंद करने का फैसला लेने के बाद सत्तारूढ़ दल के दबाव में पुनः उसी प्रकरण की जांच करने को मजबूर होती है, नेशनल हैराल्ड काण्ड की जांच इसका ताजा उदाहरण है।

आज सबसे बड़े दुःख का विषय ही यही है कि, सरकारी जांच एजेंसियां चाहे वह सीबीआई हो या ईडी सत्तारूढ़ नेताओं व उनके दल की कठपुतली बनने को मजबूर है और सत्तारूढ़ नेता इन एजेंसियों को अपनी राजनीतिक बदलेबाजी का 'शस्त्र' बनाने लगे है, यह प्रक्रिया यद्यपि कोई नई नहीं है, इंदिरा-नेहरू के युग से चली आ रही है, किंतु खेद यही है कि आज तक राजनीति में ऐसा कोई सरदार पटेल पैदा नही हुआ जो इस गैर कानूनी चलन को बंद कर सके? बल्कि इस चलन को 'आम' बना दिया गया है.... और खेद इस बात का भी है कि आज तक किसी भी सरकारी जांच ऐजेंसी के मुखिया ने इस गैर कानूनी चलन की खिलाफत नहीं की। इसी कारण आज सीबीआई और ईडी जांच एजेंसियों के पास जांच के पचास हजार से अधिक मामले वर्षों से लम्बित है, इनमें बहुमत राजनीतिक मामलों का है और चूंकि राजनीतिक मामलों पर केन्द्रित रहने की इन एजेंसियों की मजबूरी है, इसलिए भ्रष्टाचार जैसे गंभीर कानूनी अपराधों की जांच नहीं हो पा रही है और इसी कारण देश में भ्रष्टाचार भी दिन दूना-रात चैगुना बढ़ता ही जा रहा है, जिससे देश का आम नागरिक काफी परेशानी महसूस कर रहा है।

इस प्रकार कुल मिलाकर देश के मौजूदा राजनीतिक कर्णधारों की महत्वाकांक्षाएं अन्य राष्ट्रधर्मी कार्यों की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण हो गई है, जिनमें अब इन सरकारी जांच एजेंसियों से भी पूर्ण सहयोग की अपेक्षाएं की जा रही है.... और आश्चर्य यह कि सत्तारूढ़ दल या नेताओं की इन अपेक्षाओं का धरना देकर वे ही राजनेता या दल विरोध कर रहे है, जो कभी इस गैर कानूनी कार्यों के सूत्रधार रहे है और यह भी तय है कि आज जो सत्ता में है वे कल विपक्ष में आने के बाद यही सब करने वाले है। अब तो देश की जनता ही इस चलन को खत्म कर सकती है, पर पता नही वह पल कब आऐगा? ....उसी की प्रतीक्षा है....।

गमले में वन महोत्सव की रस्म अदायगी

लेखक
अशोक गौतम

कभी मैं कसमप्रिय था, इन दिनों रस्मप्रिय चल रहा हूं। भले ही अब मैं रस्मों-रिवाजों को उल्लास से नहीं मनाता, पर दूसरे सारे काम छोड़ उनकी रस्म अदा करना भी कभी नहीं भूलता। मैं बैंक से, दोस्तों से सौ झूठ बोल लिया कर्ज अदा करूं या न, पर रस्मों की अदायगी उनके समय के हिसाब से जरूर करता हूं। मसलन, जब पंद्रह अगस्त होता है तो स्वतंत्रता दिवस को उल्लास से मनाने के बदले उसकी रस्म अदायगी जरूर कर लेता हूं ताकि आसपास के बंधु मुझे राष्ट्रवादी समझें। रस्म अदा करने के बाद भले ही सारा दिन ताश के पत्ते फेंटते रहें। कई बार बहुत-सी रस्में जिंदगी में दिखावे के लिए भी तो करनी पड़ती हैं जनाब!

तो मित्रो! पूरा देश जब वन महोत्सव की रस्म अदा कर रहा हो तो भला मैं भी क्यों न ये रस्म अदा करूं? ऐसे में मैं कैसे लात पर लात धरे लेटा रहूं? आखिर मैं भी तो पुश्तों से यहीं का हूं। यहीं का हवा-पानी लेता हूं। आटे-दाल पर सबकी तरह टैक्स देता हूं। इसलिए सबकी तरह इन दिनों मेरे सिर से पांव तक वन महोत्सव मनाने का भूत सवार है। देखो तो, पौधों की नर्सरियों में वन महोत्सव मनाने को पौधे कम पड़ गए हैं। उनके हाथ हैं कि वन महोत्सव मनाने को जले जा रहे हैं।

तो मैं भी हुजूर! इस वन महोत्सव के सीजन में वन महोत्सव की रस्म भर अदा करने को उग्र-व्यग्र हूं। पर मेरा संकट ये है कि जिस पॉश सोसायटी में मैं रहता हूं वहां पैदा होने से मरने तक की हर रस्म अदायगी के लिए प्रॉपर जगह अलॉट है, पर वन महोत्सव के लिए कहीं इंच भर जगह अलॉट नहीं।

अब औरों की तरह वन महोत्सव की रस्म अदायगी तो मुझे भी करनी है न बंधुओ! ताकि दूर के नहीं तो कम से कम मेरे आसपास के लोग तो मुझे पर्यावरण प्रेमी भी समझें। पर अब मेरी दुविधा यह कि अब पौधा लगाऊं तो कहां लगाऊं? काश! आदमी के सिर पर भी पौधे लगा करते।

आवश्यकता आविष्कार की सच्ची जननी है किसी ने यों ही नहीं कहा था। इसलिए मैं बाजार से एक गमला ले आया हूं। आवश्यकतानुसार छत पर उसे बाजार से मिट्टी लाकर आधा भर दिया है। बस, जरा बारिश हो जाए और बारिश के समय दो-चार मेरे आसपास के सावन का आनंद लेने छाते ताने, बरसाती पहने छत पर फुदकने लगें तो मैं भीगते हुए गमले में पौधा लगा अपने हिस्से का वन महोत्सव मना पर्यावरण प्रेमियों की लिस्ट में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करवा लूं।

हे मौसम विभाग! हमारी सोसायटी में ये बारिश-बुरिश होने का तुम्हारा कब का अनुमान है? सही सही बताना रे मौसम विभाग!

आम आदमी की पीड़ा का भी हो अहसास

विश्वनाथ सचदेव

आखिर संसद में गतिरोध समाप्त हो ही गया। लगभग दो सप्ताह तक चले इस गतिरोध के बाद स्थिति यह बनी है कि विपक्ष ने स्वीकार लिया है कि, वह तख्तियां लेकर सदन में प्रदर्शन से बचेंगे और सरकार की ओर से महंगाई पर चर्चा को 'तत्काल' कराने की औपचारिकता भी पूरी कर ली गई है। अब महंगाई के मुद्दे पर विपक्ष ने भी अपनी बात कह ली है और सरकार की ओर से भी बचाव की कार्रवाई हो गई है। पता नहीं संसद में सरकारी पक्ष और विपक्ष की शिकायतों का पूरा समाधान हुआ है या नहीं, पर सड़क पर आम आदमी यह सवाल अब भी पूछ रहा है कि महंगाई इतनी क्यों बढ़ रही है? वह यह भी पूछ रहा है कि 'संसद में समाधान' के बाद स्थिति में क्या बदलाव आया है? जो कुछ संसद में विपक्ष द्वारा पूछा गया वह सड़क पर पूछा ही जा रहा था और जो कुछ सरकार की ओर से कहा गया, वह भी सरकार के मंत्री इस बीच लगातार दोहराते रहे हैं।

सवाल यह भी पूछा जा रहा है कि, यदि सत्ता-पक्ष और विपक्ष ने यही कुछ कहना था, खासतौर पर सरकार को यही उत्तर देना था जो दिया गया है तो फिर इस मुद्दे को दो सप्ताह तक लटकाया क्यों गया? सरकार की ओर से महंगाई के मुद्दे पर तत्काल बहस की मांग ठुकराने का आधार यही था कि वह बहस के लिए तैयार है, वित्तमंत्री के स्वस्थ होते ही महंगाई के मुद्दे पर बहस करा ली जाएगी। सवाल वित्तमंत्री के स्वास्थ्य का नहीं, देश की आर्थिक स्थिति के स्वास्थ्य का था। और जो उत्तर वित्तमंत्री ने दिया है, वह भी सरकार अरसे से कहती रही है। इसे कोई अन्य ज़िम्मेदार मंत्री भी दोहरा सकता था।

सवाल महंगाई की मार झेलते आम आदमी की पीड़ा को कम करने का था, पर सरकार देश की 'अर्थव्यवस्था की मज़बूती' का राग ही अलापती रही। आंकड़ों के सच और झूठ को लेकर पहले भी बहुत कुछ कहा जाता रहा है। आंकड़े यह तो बता सकते हैं कि देश में खाद्यान्न की उपज कितनी हुई, पर उनसे पेट नहीं भरता। वित्तमंत्री बाज़ार में जाती हैं या नहीं, पता नहीं। कुछ अरसा पहले उन्होंने कहा था कि वे प्याज़ नहीं खातीं, अतः उन्हें प्याज़ की कीमतों का ज्ञान नहीं है। वित्तमंत्री जी, बाज़ार में जाइए तो पता चलेगा कि हर चीज़ महंगी होती जा रही है। आपको तो शायद यह भी नहीं पता होगा कि खाने-पीने की पैकेट-बंद जिन चीज़ों पर जीएसटी लगा दी गयी है, पैकेट बनाने वाले, बड़ी चतुराई से उनमें दिये गये माल की मात्रा कुछ ग्राम घटा कर लाखों रुपये कमा लेते हैं! 111 ग्राम के पैकेट पर बाकायदा लिखा होता है 245 ग्राम!

संसद में बहस का मतलब यह होता है कि, किसी मुद्दे पर गंभीरता से चिंतन हो और बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान हो। सरकारी पक्ष यदि यह मान लेता है कि विपक्ष द्वारा कही जा रही बात में कुछ सच्चाई है तो इससे उसकी प्रतिष्ठा समाप्त नहीं हो जाती। और इसी तरह यदि विपक्ष भी सरकार द्वारा कही जा रही बात में कुछ सच देख ले तो उसकी भी तौहीन नहीं होती। पर जब दोनों पक्ष पहले से निश्चय करके बैठे हों कि सामने वाले की बात नहीं माननी है तो फिर बात बनती नहीं, और बिगड़ जाती है।

सड़क पर चलने वाला आम आदमी संसद में चल रही बातों को बड़ी उम्मीदों से देखता है। पर, दुर्भाग्य से, जो कुछ दिखता है वह अक्सर निराश करने वाला होता है। जिस तरह का व्यवहार हमारे सांसद-विधायक कई बार करते दिखते हैं, उसे देखकर पीड़ा भी होती है, और निराशा भी। पिछले पखवाड़े में महंगाई को लेकर भले ही बहस न हो पायी हो, पर सांसदों के आरोपों-प्रत्यारोपों का जो सिलसिला चला उसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। महामहिम राष्ट्रपति के संदर्भ में, गलती से ही सही, लोकसभा में कांग्रेस के नेता के मुंह से निकले शब्द का समर्थन कोई नहीं कर सकता। पर इस बारे में 'गलती होने' और माफी मांगने के बाद बात समाप्त हो जानी चाहिए थी। लेकिन एक केंद्रीय मंत्री द्वारा इस विषय पर जिस भाषा में, और जिस तरीके से सदन में यह मुद्दा उछाला गया उससे भी सहमत नहीं हुआ जा सकता। राज्यसभा में भी कुछ इसी तरह की बात हुई। अच्छा है कि इन वक्तव्यों को सदन की कार्रवाई से हटा दिया गया है, पर और भी अच्छा होता यदि संबंधित माननीय सदस्य स्वयं अपने कहे पर पछतावा करते। यही किसी स्वस्थ बहस का अलिखित नियम भी होता है। पर जहां लिखित नियमों की भी धज्जियां उड़ती हों, वहां स्वस्थ परम्पराओं की बात ही कैसे हो सकती है?

पर सार्थक जनतांत्रिक परम्पराओं का तकाज़ा है कि उन्हें समझा जाये और अपनाया जाये। जनतंत्र में विपक्ष की भूमिका सरकारी पक्ष से किसी भी दृष्टि से कम महत्वपूर्ण नहीं होती। यह सही है कि चुनाव में हारने वाला पक्ष विपक्ष की भूमिका निभाता है, पर सच यह भी है कि वह हारा हुआ नहीं, विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए चुना गया पक्ष होता है। इसीलिए जनतंत्र की सफलता का एक मानदंड मज़बूत विपक्ष को भी माना गया है। जितना महत्व एक एक मज़बूत सरकार का होता है, मज़बूत विपक्ष का महत्व उससे कम नहीं होता। जहां सरकार जनता के हितों के लिए काम करती है, वहीं विपक्ष यह देखता है कि सरकार अपने काम में कोताही न बरते। भारी बहुमत से जीतने वाली सरकारें अक्सर यह गलतफहमी पाल लेती हैं कि विपक्ष को उसके किये पर सवालिया निशान लगाने का अधिकार नहीं है। खास तौर पर संख्या बल की दृष्टि से कमज़ोर विपक्ष को तो अक्सर सत्ता-पक्ष इसी दृष्टि से देखता है। सत्ता-पक्ष का यह रवैया किसी भी दृष्टि से जनतांत्रिक परम्पराओं और मूल्यों के अनुरूप नहीं है। जहां विपक्ष से मर्यादित आचरण की अपेक्षा की जाती है, वहीं सत्ता-पक्ष का भी दायित्व बनता है कि वह अपनी ताकत के घमंड में विपक्ष की अवहेलना न करे।

देश में पसरी महंगाई से ग्रस्त जनता के हितों के लिए आवाज़ उठाना विपक्ष का दायित्व है। इस आवाज़ को अनसुनी न करने की अपेक्षा सत्ता-पक्ष से की जाती है। यहां दोहराना चाहता हूं कि संसद के मौजूदा सत्र में आया गतिरोध किसी भी दृष्टि से उचित नहीं था। न महंगाई का मुद्दा उपेक्षा के लायक था और न ही पहले इस मुद्दे पर बहस की विपक्ष की मांग को स्वीकार करने से सत्ता-पक्ष की इज्जत कम हो जाती। एक पखवाड़े तक संसद की कार्रवाई बाधित होने से सौ करोड़ रुपये के नुकसान से कहीं अधिक महत्वपूर्ण वह नुकसान है जो जनतांत्रिक मूल्यों-परम्पराओं के हनन से हुआ है। पक्ष और विपक्ष, दोनों को अपने व्यवहार के आईने में अपने चेहरे को देखना होगा। कब होगा ऐसा?

दो नाबालिक सहित चार बालिकाओं को किया दस्तयाब

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले की दो थानों की पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत लंबे समय से गायब चार बालिकाओं को खोज निकाला है। इनमें दो नाबालिग को पुलिस केरल से लेकर आई है जबकि दो अन्य बालिकाओं को आस-पास के जिलों से दस्तयाब किया है। पुलिस ने चारों बालिकाओं को उनके स्वजन के सुपुर्द किया गया है। पहले मामले में नाहरगढ़ थाने में 14 मई 2022 को अपराध दर्ज किया गया था। इसमें थाना क्षेत्र से एक नाबालिग को कोई बहला-फुसलाकर ले गया था। इस अपराध में पुलिस ने 20 वर्षीय मिथुन मोहनलाल भील निवासी मोरका, थाना जावद, जिला नीमच को गिरफ्तार कर युवती को उसके कब्जे से सकुशल दस्तयाब किया गया। इसके साथ ही 16 जुलाई को एक और बालिका के अपहरण का मामला दर्ज किया गया था। इसमें फरियादी की नाबालिग बालिका को भगा ले गया था। इस मामले में पुलिस ने 20 वर्षीय भीमराज गोवर्धनलाल राठौर निवासी संजय हिल्स लालघाटी रोड को गिरफ्तार कर युवती को उसके पास से बरामद किया गया। भावगढ़ थाने में 14 जून को एक रिपोर्ट दर्ज हुई थी इसमें 13 जुलाई को ग्राम खजूरिया सारंग से एक 14 वर्षीय और दूसरी 17 वर्षीय बहनों को गांव से कोई बदमाश बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। बालिकाओं के हैदराबाद में होने की सूचना पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर एक विशेष टीम भेजी। आरोपितों को भनक लगी तो वह दोनों बहनों को बैंगलुरु लेकर चले गया। वहां भी पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही केरल तरफ भाग गए। आखिरकार गठित विशेष टीम ने दोनों बालिकाओं को मंदसौर से 2 हजार किमी दूर केरल से दस्तयाब कर लिया। मामले में आरोपित 28 वर्षीय मुकेशनाथ चंदानाथ कालबेलिया एवं 25 वर्षीय सुरेशनाथ कारुनाथ कालबेलिया दोनों निवासी रणायरा थाना नाहरगढ़ को गिरफ्तार कर लिया।

सामुदायीक स्वास्थ्य केंद्र पर कई सुविधाओं का है अभाव

बाहर पिने का पानी, बगीचा एवं पार्किग व्यवस्था आवश्यक

सैकड़ों की संख्या में प्रतिदिन आते है मरीज व परिजन

माही की गूंज, रतलाम/ताल।

यह बात सौ प्रतिशत सत्य है कि, ÷हमारा राष्ट्र विशाल राष्ट्र है और फिर उस मान से समस्याऐं भी अनगिनत है÷ परंतु कुछ समस्याऐ या तो संबंधितो की जानकारी मे नही आती है...? या फिर नजर अंदाज कर देने से...? या फिर कथित रूप से गैर जिम्मेदाराना रवैय्या अपनाने के कारण...? या फिर व्यक्तिगत रूप से समस्याओं के निराकरण के समय पर उचित प्रयास नही करने के कारण जन समस्याऐ धीरे-धीरे बढते हुए विकराल रूप ले कर कई बार उन समस्याओ के निराकरण नही होने से जनधन की हानि की संभावना भी बनी रहती है। फिर आमजनता या तो सीस्टम को जी भर के कौसती है या फिर मन मसोज कर रह जाती है। या फिर जिनकी कोई लापरवाही नही है उनको जनता के कौप का भाजन बनना पडता है

ताल के सामुदायीक स्वास्थ्य केन्द्र जो ताल-जावरा रोड जिसे जावरा-आगर टु लेन मार्ग के नाम से जाना जाता है इस रोड के समीप बने सामुदायीक स्वास्थ्य केन्द्र की बात करते है। जिसमे प्रतिदिन करीबन 100 गांव से अधिक के मरीज एवं उनके परिजन आते है एवं अपना उपचार कराकर चले जाते है। कुछ को यही एडमीट होने से यही रूकना पडता है। परंतु करीबन एक करोड पचास लाख रूपए से अधिक की राशि शासन ने खर्च कर विनोद पितलीया द्वारा अपने स्वर्गीय पिता सेठ रतनलाल पितलीया की स्मृति मे उक्त हास्पिटल के निर्माण के लिये भुमि दान कर दी। फिर इस दान मे मिली भुमि से सामुदायीक भवन का निर्माण किया गया। जिसमे करीबन 4-5 वर्षो से हास्पिटल का संचालन हो रहा है। परंतु सबसे पहले तो यहां वर्षो से महिला चिकित्सक का पद रिक्त है। उसे किसी भी पार्टी ने रूचि नहीं लेते हुए ओपचारीकता पुरी कर महिला चिकित्सको की नियुक्तियां नही कराई जो आज तक महिला

चिकित्सक का पद रिक्त पडा है। इसी प्रकार कई चिकित्सको की पोस्ट खाली होने के बाद भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके पाल निरंतर 24 घंटे अपनी सेवाऐं देते रहे है। परंतु डॉ. आरके पाल की जिला स्वास्थ्य अधिकारी रतलाम के पद पर पदोन्नती हो चुकी है जिस कारण वर्तमान मे डॉ. राहुल अहिरवार ने ताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी का पदभार संभाला होकर अपनी सेवाऐं दे रहे हें।

कई समस्याओं का शिकार है हॉस्पिटल

हॉस्पिटल में आने वाले मरीजो एवं उनके परिजनों के लिए पिने के पानी के लिये हास्पिटल के अंदर व्यवस्था है। परंतु प्रवेश द्वार के आस पास कहीं भी पिने के पानी की व्यवस्था नही है। जानकारी अनुसार कुछ लोगों ने सामुहिक रूप से चंदा कर मिट्टी की नांदे लाकर रखकर प्रवेश द्वार के बाहर पानी की वैकल्पिक व्यवस्था की है। इसी प्रकार मरीज एवं परिजनो को यदि भोजन आदि करना हो तो कोई बगीचा भी नही है कि बगीचे मे बैठ कर सुकुन से मरीज भोजन आदि कर सकें या बगीचे मे घुम सकें। इसी प्रकार दो पहीया वाहन एवं चार पहिया वाहन खडे करने के लिये उचित पार्किग की भी व्यवस्था नही है। अक्सर देखने मे आता है कि कई बार वाहन बेतरतीब खडे कर देते हे, जिससे अपातकालीन समय मे मरीजो को लाने ले जाने मे परेशानी होती है।

बता दे कि, उक्त चिकित्सालय मे महिलाओं के प्रसव संबंधित मामले अधिक आने से मरीजो के साथ परिजन की संख्या अधिक रहने से उनको कई समस्याओं से दो-चार होना पडता है।

वहीं हास्पिटल के अंदर व बाहर व्यवस्थित रूप से साफ सफाई की भी समुचित देखरेख करने की आवश्यकता होकर बिस्तरो सहित चिकित्सक कक्ष मे भी चादर आदि की स्वच्छता का अभाव बना हुआ है। इस मामले मे भी अधिकारी क्या निरीक्षण करते है यह विचारणीय है...?

वहीं हास्पिटल मे बताया जाता है कि, आर्थिक रूप से आवक नही होने से कार्य नही हो पाते है एवं जो मरीजो के पंजीयन शुल्क 5 रूपये प्रति मरीज ली जाती है, उससे काफी कम आय होती है। आय का अन्य साधन नही होना बताया जाता है।

वहीं उक्त मामलो को लेकर नवागत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल अहिरवार ने बताया कि, बैठक मे मामलो से अवगत कराया जाएगा। अतिशीघ्र वाहन पार्किग, बाहर पानी आदि की व्यवस्था कराई जाएगी।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी रतलाम डॉ. आरके पाल ने बताया कि, मैं उक्त सुविधाओं के लिये प्रयास करूंगा और अधिक से अधिक ताल के सामुदायीक स्वास्थ्य केन्द्र को सुविधाऐ उपलब्ध हो। इसके अथक प्रयास करते हुए पत्र लिखुंगा।

वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी कन्हैयालाल सुर्यवंशी ने बताया कि, मैं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अहिरवार से चर्चा कर पानी की टंकी आदि की व्यवस्था करूंगा। हास्पिटल के लिये भुमि दान दाता विनोद सेठ पितलीया ने इसी प्रकार समाजसेवी संजय सिसौदिया से प्रसारण प्रतिनिधी वाहिद खॉन पठान ने उक्त समस्या से अवगत कराया तो आपने प्रवेश द्वार के बाहर वाटर कुलर मशीन लगाने का आश्वासन दिया है।

हॉस्पिटल के लिए भूमि दान करने वाले विनोद सेठ पितलिया ने बताया कि, मेने मेरे स्वर्गीय पिता सेठ रतनलाल पितलीया की स्मृति मे तीन बिघा भुमि हास्पिटल निर्माण के लिये दान दी थी। जिसमे करीबन 5 वर्षो से मेरे नीजि ट्युबवेल से हास्पिटल मे पानी की सप्लाई हो रही है जिसका बिजली के बिल का भुगतान मेरे द्वारा किया जाता है। ट्युबवेल जब तक साथ दे रहा है पानी की चिंता नही है। परंतु जब ट्युबवेल मे पानी समाप्त हो जाएगा तो चिंता होगी। जिस कारण हास्पिटल के प्रमुख को भी हास्पिटल मे ट्युबवेल लगवाना चाहीये व तीन बिघा भुमि मे से मात्र बीस प्रतिशत भुमि पर हास्पिटल बना है, शेष 80 प्रतिशत के लगभग भुमि बची है जिस पर बगीचा, वाहन पार्किग आदि कार्य हो सकते है।

बहरहाल सामुदायीक स्वास्थ्य केन्द्र की प्रशासन को सुध लेते हुए उपरौक्त समस्त जनहितेशी जन समस्याओं से जुडे मामलो मे संज्ञान लेकर आमजनता को राहत देना चाहीए। ऐसी मांग जिला कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सुर्यवंशी से आमजनता ने की है।

शाही ठाठ-बाठ के साथ निकले पशुपतिनाथ

माही की गूंज, मंदसौर।

सावन माह के तीसरे सोमवार को भगवान श्री पशुपतिनाथजी की शाही पालकी निकली। शाही ठाठ-बाठ के साथ भक्तों का हाल जानने निकले राजाधिराज भगवान श्री पशुपतिनाथजी का द्वार-द्वार पर स्वागत-सत्कार हुआ। सुसज्जित पालकी में विराजित पशुपतिनाथजी के दर्शन के लिए भक्तजन उमड़ पड़े। शाही पालकी में दिल्ली की झांकियों ने खूब शोभा बढ़ाई। मां कालका, शिव-पार्वती का रूप धरकर कलाकारों ने भजनों पर नृत्य किया। पालकी में शामिल महिला-पुरुष, युवक-युवतियां भी नृत्य करते व जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। सुबह 11 बजे मंदिर से प्रारंभ हुई शाही पालकी आठ घंटे में छह किलोमीटर का सफर तय कर रात आठ बजे मंदिर पर पहुंचकर शाही पालकी का समापन हुआ। सोमवार को शिव की नगरी पूरी तरह से शिव की भक्ति में लीन रही। शयनकालीन आरती मंडल द्वारा भव्य शाही पालकी निकाली। वहीं गांव-गांव से भक्तों की टोलियां और कावड़ यात्राएं पशुपतिनाथ मंदिर पहुंची। अलसुबह से ही भक्तों का आगमन शुरू हुआ जो रात तक जारी रहा। सावन के तीसरे सोमवार के अवसर सुबह भगवान श्री पशुपतिनाथ की प्रतिमा का अभिषेक किया गया, आकर्षक श्रृंगार किया गया। विधि-विधान से शाही पालकी में प्रतिमा विराजित की गई। विधायक यशपालसिंह सिसोदिया द्वारा आरती की, इसके पश्चात शाही पालकी प्रारंभ हुई। पालकी को भक्त कंधे पर उठाकर चल रहे थे। शाही पालकी में महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थी। ढोल-डीजे पर भक्तजन पूरे उत्साह के साथ नृत्य कर रहे थे। शाही पालकी निर्धारित मार्ग के जिस भी क्षेत्र में पहुंची वहां पूजा-अर्चना और दर्शन के भक्तों की भीड़ उमड़ती रही। द्वार-द्वार पर पशुपतिनाथजी का स्वागत सत्कार भक्तों द्वारा किया गया। पालकी में शामिल भक्तजनों का अनेक सामाजिक संगठनो, समाजो और भक्तजनों ने स्वल्पहार, पेयजल, ठंडाई वितरित कर स्वागत किया। शाही पालकी में बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल हुए।

झांकियों में भगवान का रूप धरकर कलाकारों ने बढ़ाया उत्साह

शाही पालकी में मंदसौर के ढोल, उज्जैन की तोप के अलावा दिल्ली की झांकियां भी खासे आकर्षण का केंद्र रही। ट्रालों पर सवार कलाकार भगवान का रूप धरकर भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। सबसे आकर्षक प्रस्तुति कालका मां बनी कलाकार द्वारा दी गई। इसके अलावा शिव-पार्वती नृत्य बनकर भी कलाकारों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। औघड़ बने कलाकारों ने भी भगवान शिव के भजनों पर नृत्य किया। झांकियों ने शाही पालकी की शोभा बढ़ाई।

नगरीय निकाय शुजालपुर, अकोदिया, पोलायकलां एवं पानखेड़ी में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन 12 अगस्त को

माही की गुंज, शाजापुर। निर्वाचित पार्षदों के सम्मिलन में नगरपालिका अधिनियम 1961 के तहत नगरपालिका परिषद शुजालपुर, अकोदिया, पोलायकलां एवं पानखेड़ी (कालापीपल) में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन की कार्रवाई संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी दिनेश जैन ने निकायों के प्रथम सम्मिलिन की तिथि 12 अगस्त निर्धारित करते हुए पीठासीन अधिकारी नियुक्त किये हैं। नगरपालिका परिषद शुजालपुर के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सत्येन्द्र प्रसाद सिंह पीठासीन अधिकारी होंगे। इसी तरह नगर परिषद अकोदिया के लिए संयुक्त कलेक्टर नरेन्द्र नाथ पाण्डेय, पोलायकलां के लिए डिप्टी कलेक्टर अजीत कुमार श्रीवास्तव तथा पानखेड़ी (कालापीपल) के लिए तहसीलदार कालापीपल अशोक सेन पीठासीन अधिकारी होंगे। नगरपालिका परिषद शुजालपुर में प्रथम सम्मिलन का आयोजन नगरपालिका कार्यालय सभाकक्ष शुजालपुर में होगा। इसी तरह नगर परिषद अकोदिया के सम्मिलन का आयोजन नगर परिषद कार्यालय सभाकक्ष अकोदिया, पोलायकलां के सम्मिलन का आयोजन नगर परिषद कार्यालय सभाकक्ष पोलायकलां तथा पानखेड़ी (कालापीपल) के सम्मिलन का आयोजन नगरपरिषद कार्यालय सभाकक्ष पानखेड़ी (कालापीपल) में होगा। अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया 12 अगस्त को सुबह साढे 10 बजे से शुरू होगी।

यतींद्र ज्ञान पीठ की परीक्षा हुई सम्पन्न

देशभर के 50 केंद्रों पर करीब तीन हजार परीक्षार्थी हुए शामिल- जैन

माही की गूंज, रतलाम/पिपलौदा।

अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद द्वारा आयोजित श्री यतींद्र ज्ञानपीठ 2022 की परीक्षा रविवार को श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ धाम पिपलौदा पर संपन्न हुई। जिसमें लगभग 16 परीक्षार्थियों ने भाग लेकर अपने ज्ञान की परीक्षा दी। केंद्राध्यक्ष मनीषा बोहरा ने बताया कि, केंद्र से प्राप्त निर्देश अनुसार वाटिका उपाध्यक्ष महेश बोहरा, नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रफुल जैन, शाखा अध्यक्ष नीलेश नांदेचा, सचिव अमित मोगरा की उपस्थिति में प्रश्न पत्र के लिफाफे खोलकर प्रश्न पत्र परीक्षार्थियों को हल करने हेतु वितरित किए। 3 घंटे तक चली परीक्षा में परीक्षार्थियों ने उत्साह के साथ केंद्र से आए प्रश्न पत्र को हल किया।

परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रफुल जैन ने बताया कि, पूण्य सम्राट जयंतसेन सूरीश्वर जी म.सा. द्वारा स्थापित यतीन्द्र ज्ञानपीठ की परीक्षा पिछले 17 वर्षों से लगातार चल रही है। जिसमे धार्मिक पाठयक्रम उदय, इष्ट, वरिष्ठ, जेष्ठ एवं श्रेष्ठ के आधार पर परीक्षाएं दी जाती हैं। श्री यतिंद्र ज्ञानपीठ के अधिष्ठाता सुरेंद्र लोढ़ा, नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश धरु, शिक्षा मंत्री संगीता पोरवाल के निर्देशानुसार देश भर के लगभग 50 से अधिक केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें लगभग 3 हजार से अधिक परीक्षार्थियों ने भाग लिया जिन्हें प्रमाण पत्र के साथ प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा।

पत्नी चुनाव जीकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष पद पर हुई निर्वाचित

पति निकले दुधाखेड़ी माता मन्दिर मन्नत पूरी करने, जगह-जगह हुआ स्वागत

माही की गूंज, भानपुरा। साहिल अगवान

जिला पंचायत निर्वाचन के बाद जिला पंचायत पद पर मनुप्रिया विनीत यादव के मनोनीत होने के बाद पति विनीत यादव द्वारा मन्नत पूरी होने पर पैदल दुधाखेड़ी माता जी के दर्शन के लिए मंदसौर से रवाना हुए। विनीत यादव 29 तारीख को रवाना हुए थे। जिला पंचायत निर्वाचन के बाद मंदसौर से विनीत यादव पैदल चलते हुए सोमवार को दुधाखेड़ी पहुंचे गरोठ भानपुरा विधानसभा में प्रवेश करते बड़े उत्साह के साथ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता व उनके समर्थकों द्वारा पुष्प मालाओं के साथ स्वागत किया गया। पूर्व में भी जिला पंचायत का चुनाव ऐतिहासिक मतों से जीतने के बाद विनीत यादव अपने निजी निवास भैसोंदा मंडी से पैदल दुधाखेड़ी माताजी के मंदिर पहुंचे थे।

पुर्व विधायक चन्दरसिहं सिसोदिया, विनीत यादव कि पदयात्रा मे हुए शामिल

गरोठ भानपुरा क्षेत्र के पुर्व विधायक चन्दरसिह सिसोदिया अपने क्षेत्र मे पद यात्रा मे शामिल हुए ओर विनीत यादव को गले मिलकर बधाई दी। सिसोदिया के साथ कई भाजपा कार्यक्रता शामिल थे। गरोठ जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधी रणजीतसिहं चोहान ने भी यादव का स्वागत किया ओर पदयात्रा मे शामिल हुए। विनीत यादव 29 जुलाई को परिणाम के बाद से ही पद यात्रा पर हे। जिला पचायतं सदस्य का चुनाव जीतने पर भी उन्होने भानपुरा से दुधाखेडी तक पदयात्रां कि थी।

हर जगह हुआ स्वागत

विनीत यादव के दुधाखेड़ी माताजी के दर्शन के लिए मंदसौर से पदयात्रा के दौरान पढ़ने वाले रास्ते के हर गांव व शहर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी व उनके समर्थकों द्वारा स्वागत किया गया। सीतामऊ में पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार द्वारा भी विनीत यादव का स्वागत किया गया।

एक वोट से बनी जिला पंचायत उपाध्यक्ष

जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रबल दावेदारों में भाजपा ने समन्वय बिठाते हुए दुर्गा विजय पाटीदार को जिला पंचायत अध्यक्ष बनाया, तो वही मनुप्रिया यादव जिला पंचायत उपाध्यक्ष का चुनाव लड़ी व कांग्रेसी के प्रत्याशी से एक वोट से विजय होकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष निर्वाचित हुई। जिला पंचायत मंदसौर मे अब अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों पर महिलाओं का कब्जा हुआ पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष महिला थी।

चुनाव जीतते ही पति की आंखों से निकले खुशी के आंसू

निर्वाचन के दौरान पत्नी के विजय होने पर विनीत यादव की आंखों से खुशी के आंसू झलक गए वह अपने पिता को याद करते हुए रोने लगे। अपने सभी समर्थकों व कार्यकर्ताओं का दिल से आभार व्यक्त किया।

विनीत यादव विधानसभा टिकिट के प्रबल दावेदार

आगामी 2023 के विधानसभा विनीत यादव चुनाव मे विधानसभा टिकिट के प्रबल दावेदार रह सकते हे। गरोठ भानपुरा क्षेत्र मे भाजपा को स्थापित करने में उनके पिता स्वर्गीय राजेश यादव का बहुत बड़ा योगदान है व पुरे क्षेत्र मे यादव समर्थको का बोलबाला है। श्रीमती यादव भानपुरा जनपद क्षेत्र के जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक 17 से 6 हजार से भी अधिक मतो से विजयी रही। पहली बार चुनाव लडी जीती ओर उपाध्यक्ष बन गई।

उल्लेखनीय है कि, राजेश यादव भी अपने राजनेतिक जीवन मे पहली बार जिला पंचायतं उपाध्यक्षही बने थे ओर उसके बाद ही पार्टी ने उन्हें 2003 में विधानसभा का टिकिट दिया व विजयी रहे। यह सयोगं ही है कि कहीं 2023 मे मनुप्रिया या उनके पति विनीत यादव जो युवा मोर्चे के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके है, विधायक रहते उनके पिता के निधन के बाद उपचुनाव मे टिकिट के प्रबल दावेदार थे ओर लगातार सतत प्रयास में रहे ओर सक्रिय रहे। मनुप्रिया यादव का उपाध्यक्ष बनना यादव गुट के लिए बहुत बड़ी जीत है ओर क्षेत्र मे सत्ता व सगंठन मे बेठे नेताओ के लिए खतरे कि घण्टी है। आज भी भाजपा कार्यक्रताओ के साथ ही आमजन मे भी स्वर्गीय राजेश यादव बेहद लोकप्रिय है ओर मनुप्रिया कि जीत राजेश यादव कि लोकप्रियता का ही परिणाम है।

कांग्रेस के विजय रथ को रोका

पूर्ण बहुमत के साथ नगर पंचायत भानपुरा में कांग्रेस को विजय हुई, वही एक जिला पंचायत सदस्य भी कांग्रेस का नवनिर्वाचित हुआ। जिला पंचायत की वार्ड क्रमांक 17 पर कांग्रेस को रोकने का काम विनीत यादव द्वारा किया। भानपुरा तहसील में कांग्रेस कि लहर हर जगह नजर आई उसके बावजूद भी कांग्रेस के प्रत्याशी को 6 हजार मतों से मात देकर विनीत यादव की पत्नी मनुप्रिया यादव जिला पंचायत सदस्य बनी। उसके बाद जिला पंचायत में भी उन का बोलबाला रहा जिला पंचायत उपाध्यक्ष का चुनाव विजय किया।

अपनी गृह क्षेत्र कि नगर पंचायत पर भी किंग मेकर साबित हो सकते है

भैसोंदा नगर पंचायत विनीत यादव का गृह क्षेत्र है और यहाँ परिषद निर्दलीय के कि पसंद के अनुसार बनेगी दोनों निर्दलीय पार्षद कॉग्रेस समर्पित है। मगर अपनी पत्नी के ज़िला पंचायत उपाध्यक्ष बनने के बाद अब विनीत यादव अपनी गृह क्षेत्र भैसोंदा नगर पंचायत पर अपनी नज़र जमाये हुए है। इस सीट से विनीत यादव की चाची सीमा राकेश यादव नगर पंचायत अध्यक्ष कि दावेदार मानी जा रही है।

पॉलिथीन प्रतिबंध को लेकर प्रशासन का रवैया फुस्स...

माफिया हुए चुस्त, प्रतिबंध के बावजूद दोगुने दामों पर उपलब्ध

माही की गूंज, झाबुआ।

कहने को 1 जुलाई से देश भर में एक बार इस्तेमाल होने वाली पॉलिथीन के साथ प्लॉस्टिक की कई ऐसी वस्तुओं को प्रतिबंधित कर दिया गया जो एक बार इस्तेमाल होने के बाद वातावरण को नुकसान पहुंचा रही है। 1 जुलाई के बाद हर शहर व नगर में इसके लिए नगरपालिका, नगरपरिषद अमले ने ताबड़ तोड़ एक अभियान शुरू किया था। इस अभियान के दौरान कई अधिकारी अपने वक्तव्यों के साथ अखबारों की सुर्खियां बने। कलेक्टर ने भी इसमें रूची दिखाते हुए आम लोगों से पॉलिथीन के इस्तेमाल से बचने की अपील करते हुए दंडात्मक कार्रवाई की धौंस दी थी। नगरपालिका व नगरपरिषद के अमले इस दौरान रोज कहीं ना कहीं समझाईश या चालानी कार्रवाई करते नजर आ रहे थे। हालांकि नगरपालिका व खनिज विभाग के अमले की यह कार्रवाई अब तक सिर्फ छोटे व मझले व्यापारियों तक ही सीमित रही है। जिले में किसी भी बड़े प्लास्टिक व्यापारी पर कार्रवाई के समाचार अब तक सामने नहीं आए है। इसका सीधा सा मतलब यह निकाला जा सकता है कि पॉलिथीन प्रतिबंध को लेकर प्रशासन की कथनी और करनी में जमीन आसपान का अंतर है। लेकिन प्रशासन की कार्यप्रणाली के इसी रवैये से प्लास्टिक के बड़े व्यापारी अब व्यापारी नहीं होकर माफिया हो गए है। वर्तमान स्थिति में हालात इतने खराब है कि प्रतिबंध के ऐलान भर से पॉलिथीन के भाव जमीन से आसमान पर पहुंच गए है। पॉलिथीन की 10 माइक्रोन से कम पतली थैली भी जिले में दोगुने दामों पर आसानी से मिल पा रही है। पॉलिथीन माफियाओं का बाजार इसलिए भी गुलजार हो रहा है क्योंकि पॉलिथीन बैग के प्रति लोभ ना दुकानदार छोड़ पा रहे है और ना ही ग्राहक। बात इतनी सी है कि पॉलिथीन प्रतिबंध को लेकर प्रशासन का रवैया भी अब फुस्स... ही नजर आ रहा है।

प्रशासन ने शायद ही किसी अभियान को लेकर इतनी सुस्ती दिखाई होगी, जितनी सुस्ती व पॉलिथीन प्रतिबंध को लेकर दिखा रहा है। 1 जुलाई से देशभर में पॉलिथीप प्रतिबंध का ऐलान किया गया। इसका असर जिले में इतना हल्का देखा गया कि प्रतिबंध के कलेक्टर ने जिला अधिकारियों की इस संबंध में बैठक कर इतिश्री कर ली। वहीं कलेक्टर के निर्देश के बाद प्रतिबंध के एक दिन पहले नगरपालिका ने पॉलिथीन प्रतिबंध को लेकर मुनादी करवा कर इतिश्री कर ली। जिसके बाद कुछ अधिकारियों ने जिले के नगरीय क्षेत्रों में सड़कों पर उतर कर लोगों समझाईश दी और कहीं -कहीं छोटे-मोटे व्यापारियों, ठेला व्यवसायियों पर चलानी कार्यवाही कर सभी ने अपनी इस जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया और देखते ही देखते पॉलिथीन प्रतिबंध का यह अभियान ठंडे बस्ते में जाता दिखाई दे रहा है। पिछले एक पखवाड़े से पॉलिथीन प्रतिबंध अभियान से जुड़ी कोई संस्था सड़कों पर कार्रवाई करती या समझाईश देती नजर नहीं आई। नगरपालिका, नगरपरिषद और खनिज विभाग का अमला भी अब गधे के सिंग की तरह इस अभियान से गायब हो गया है।

इसके उलट शहर के बड़े प्लास्टिक व्यापारियों ने अब पॉलिथीन प्रतिबंध के मामले को पकड़ कर माफियागिरी शुरू कर दी है। दुकानदारों व ग्राहकों में पॉलिथीन बैग का मोह इन माफियाओं को हवा दे रहा है। लोगों के मन में बसे पॉलिथीन के इस मोह के कारण माफिया मनमाने दामों पर प्रतिबंधित पॉलिथीन भी दोगुने दाम में बैच रहे है। पॉलिथीन के इस पूरे काले धंधे का वैसे तो पर्यावरण पर बुरा असर पड़ ही रहा है, लेकिन हालात के मद्दे नजर इसका शिकार वर्तमान में मध्यम वर्गीय दुकानदार व ठेला व्यवसायी दोगुनी कीमत चुकाकर हो रहे है। इसका एक कारण यह भी है कि सरकार ने पॉलिथीन पर प्रतिबंध तो लगा दिया, लेकिन इसका कोई और विकल्प सरकार अब तक बता नहीं पाई है। यही वह कारण है जिसने पॉलिथीन व्यापारियों को माफिया बनने के लिए आग में घी डालने जैसा काम कर दिया है। हालांकि कपड़े के झोले को इसका विकल्प बताया जा रहा है लेकिन यह उस हद तक विकल्प नहीं है जितना पॉलिथीन की खपत हो रही है। इसके अलावा अगर देखा जाए तो हर कंपनी अपना प्रोडक्ट प्लास्टिक पैकिंग में ही निकाल रही है। जिससे यह प्रतीत होता है कि पॉलिथीन प्रतिबंध को लेकर बड़े स्तर पर अभियान चलाए जाने की दरकार है। वरना पॉलिथीन मुक्ति का सपना, सपना ही रह जाएगा और इस सपने के साकार ना होने का परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। जिला स्तर पर पॉलिथीन प्रतिबंध को लेकर सुस्त पड़े अभियान में जिला प्रशासन को नई जान फूंकनी होगी और जिले भर में पनप रहे पॉलिथीन माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सख्ती भरे कदम उठाने होंगे। बड़े पॉलिथीन माफियाओं पर कार्रवाई करने का फायदा यह होगा कि प्रशासन को छोटे व मझले व्यापारियों को परेशान नही करना पड़ेगा। जब पॉलिथीन कहीं बिकेगा ही नहीं तो उसे खरीदेगा कौन...? जब छोटे व्यापारी और दुकानदार या ठेलेवाले ग्राहकों को पॉलिथीन नहीं देंगे तो आमजन खुद इसका विकल्प ढूंढकर बाजार पहुंचेगा। इस अभियान को लेकर जरूरत है तो सिर्फ एक दृढ़ संकल्प की।

आगामी त्योहारों को लेकर एसपी के नेतृत्व में निकला फ्लैग मार्च

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आगामी त्यौहार मोहर्रम, आदिवासी विश्व दिवस, रक्षाबंधन, शाही सवारी यात्रा, जन्माष्टमी एवं स्वतंत्रता दिवस पर्व को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कानुन व्यवस्था एवं सुरक्षा की दृष्टि के मद्देनजर जिला मुख्यालय पर एसपी मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व मे पुलिस ने दल-बल का फ्लैग मार्च निकला। फ्लैग मार्च स्थानिय पुलिस कंट्रोल रुम से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से भ्रमण करते हुए आमजनो को अपनी मोजुदगी का एहसास कराया। नगर में जब फ्लेग मार्च पुलिस सायरन बजाते हुए निकला तो नगरवासी आश्चर्य में पड़ गए और मार्च को देखने के लिए होने घरो से बाहर निकले।

इस अवसर पर एसपी मनोज कुमार सिंह ने मिडिया को बताया कि, प्रदेश पुलिस महानिदेशक डीजी के निर्देशानुसार पुरे मध्यप्रदेश मे कानुन व्यवस्था ओर आमजनो की सुरक्षा की मुस्तैदी को लेकर पुलिस विभाग द्वारा फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है। इसी उद्देश्य को लेकर जिला मुख्यालय के साथ-साथ अलीराजपुर के समस्त थाना स्तरो पर फ्लैग मार्च निकाला गया है। एसपी सिंह ने बताया कि, पुलिस आमजनो की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, पुलिस टीम जिले मे असामजिक एवं शरारती तत्वो पर गहरी नजर है। जिले की शांति भंग करने वाले तत्वो को बख्शा नही जाएंगा।

उल्लैखनिय है कि, पुलिस प्रशासन द्वारा विगत दिनो त्यौहारो को लेकर जिले के समस्त थाना स्तरो पर शांति समिति की बैठक लेकर त्यौहार शांतिपुर्वक एवं मिलजुलकर सद्धभावना से मनाने की अपील की है। जिला मुख्यालय पर निकले फ्लैग मार्च मे पुलिस कप्तान मनोज कुमार सिंह, एसडीओपी सुश्री श्रद्धा सोनकर, थाना प्रभारी शिवराम तरोले, आरआई चेतनसिंह बघेल, यातायात प्रभारी सुभाश सतपाडिया सहित पुलिस दल-बल मोजुद थे।

आजाद की मूर्ति को किया क्षतिग्रस्त, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी कैमरे

माही की गूंज, थांदला।

जिले में महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। मंगलवार को अधिकारियों ने जानकारी दी है कि, अज्ञात लोगों ने क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद की मूर्ति तोड़ दी। यह घटना जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर थांदला शहर की है।

सोमवार को मूर्ति तोड़े जाने की जानकारी सामने आई है। थांदला नगर परिषद के मुख्य म्यूनिसिपल ऑफिसर भरत सिंह टांक ने कहा, मूर्ति के छोटे हिस्से को तोड़ा गया है। आजाद की इस मूर्ति पर लगे पिस्टल को क्षतिग्रस्त किया गया था जिसे अब ठीक करा दिया गया है।

स्थानीय पुलिस इंचार्ज कौशल्या चौहान ने बताया कि, पेट्रोलिंग के दौरान पुलिसवालों की नजर मूर्ति के टूटे हिस्से पर पड़ी थी। उन्होंने बताया कि, सीसीटीवी फुटेज के जरिए बदमाशों की पहचान की जाएगी। इस मामले में स्थानीय बीजेपी और कांग्रेस नेताओं ने कार्रवाई की मांग की है।

बता दें कि, पिछले महीने 23 जुलाई को शहीद क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई थी। इस दौरान राज्य में उनकी प्रतिताओं को पूजा भी गया था। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जिस मूर्ति को तोड़ा गया है उस मूर्ति की पूजा भी चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर की गई थी।

चंद्रशेखर विज्ञान पार्क में हुआ विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पूर्व राष्ट्रपति एवं मिसाइल मैन की पुण्यतिथि के अवसर पर चंद्रशेखर विज्ञान पार्क में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें जिले की 56 संस्थाओं जिनमें आईटीआई, पॉलिटेक्निक हायर सेकेंडरी एवं हाई स्कूल ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। बच्चों ने मॉडल्स बड़े उत्साह से प्रस्तुत किए। कुल 114 मॉडल प्रदर्शनी में रखे गए थे। प्रदर्शनी का उद्घाटन संयुक्त कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त जानकी जानकी यादव द्वारा किया गया। मॉडल प्रतियोगिताओं के निर्णायक स्थानीय डिग्री कॉलेज से डॉ. सीएस कनेश, डॉ. जेएस पचाया डॉ. एम जामोद रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पॉलिटेक्निक अलीराजपुर ने रेलवे ब्रिज मॉडल, द्वितीय स्थान पर शासकीय उमावि खट्टाली का हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्लांट रहा। तृतीय स्थान डाटा ट्रांसमिशन सिस्टम जो एकलव्य कन्या शिक्षा परिसर अलीराजपुर प्रस्तुत किया। पुरस्कार वितरण कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के द्वारा संपन्न हुआ। प्रदर्शनी को सफल बनाने में विज्ञान पार्क प्रभारी अरविंद गहलोत, प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर अंजू सिसोदिया, खंड शिक्षा अधिकारी सोंडवा, रामानुज शर्मा सहयोग उल्लेखनीय रहा।

बारिश के डेढ़ माह बीते पर नदी, नाले, तालाब अभी भी खाली

माही की गूंज, आम्बुआ।

इस वर्ष क्षेत्र में वर्षा की बेरुखी के कारण सूखे जैसी नौबत बनती नजर आ रही है। 15 जून से तथा जुलाई माह पूर्ण होने के बावजूद अभी तक क्षेत्र में तेज बारिश नहीं होने से सभी जलाशय तथा जल स्त्रोत खाली पड़े होने से भविष्य में जल संकट की आशंका से ग्रामीण तथा शहरी लोग आशंकित नजर आ रहे हैं। सभी ओर से तेज वर्षा की प्रार्थना की जा रही है।

जैसा की विदित है कि, आषाढ़ माह सुखा सा बीत गया। सावन माह में हल्की बारिश या यो कहें कि सावन के सेहरे ही कुछ समय के लिए आ रहे हैं। कहा जाता है कि यदि आषाढ़ माह में बारिश कम हो तो सावन माह में पूर्ति हो जाती है। मगर इस बार आधा सावन बीत गया अभी तक बारिश की झड़ी नहीं लगी है। विगत दिनों वर्षा की अनियमितता के कारण किसानों को दो बार बोवनी करना पड़ी। कई खेत अभी भी खाली पड़े हैं। क्षेत्र की प्रमुख आर्थिक फसल सोयाबीन तथा उड़द की स्थिति खराब हो रही है जिस कारण कृषक तथा व्यापारी चिंतित है। खाद्य फसलों में मक्का, ज्वार, बाजरा भी समयानुसार वृद्धि नहीं हो पाने के कारण उपज पर असर पड़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

बारिश कम होने के कारण क्षेत्र के सभी नदी, नाले तथा तालाब, कुएं, बावड़ियां खाली पड़ी है। हैंडपंपों तथा ट्यूबवेलों का जलस्तर अभी भी गर्मी के मौसम की तरह बहुत नीचे बना हुआ है जबकि इस मौसम में इनका जल स्तर बढ़ जाता था। नदी नालों में बेहिसाब पानी बहता रहता था, तालाब भी भर जाते थे, मगर इस बार सब खाली पड़े हैं। जिस कारण वर्तमान फसल खरीब के बाद रबी की फसलों की संभावना समाप्त हो रही है। यदि आगामी दिनों में अच्छी वर्षा होती है तो जल स्तर बढ़ सकेगा। अभी तो केवल प्रतीक्षा ही की जा सकती है।

सरपंच श्री रावत ने कार्यभार किया ग्रहण, समर्थकों ने आतिशबाजी कर बांटी मिठाई

माही की गूंज, आम्बुआ।

ग्राम पंचायत में नवनिर्वाचित सरपंच ने बुधवार को कार्यभार ग्रहण किया गया। उसके पूर्व उपस्थित सरपंच, पंचों तथा उपसरपंच को सचिव द्वारा शपथ दिलाई गई। कार्यभार ग्रहण करने पर समर्थकों ने आतिशबाजी कर मिठाई बाटी।

हमारे संवाददाता को मिली जानकारी के अनुसार विगत दिनों संपन्न स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के तहत संपन्न चुनाव में विजेता सरपंच का शपथ विधी कार्यक्रम बुधवार को पंचायत भवन में संपन्न हुआ। उसके पूर्व सरपंच, उप सरपंच ने भगवान श्री गणेश जी एवं माता सरस्वती के चित्र पर पूजा अर्चना कर माल्यार्पण किया। तदोपरांत नवनिर्वाचित सरपंच रमेश रावत ने कार्यभार ग्रहण किया। उसके पूर्व निर्वाचित सरपंच, उपसरपंच थानसिंह भयडिया एवं पंचों को ग्राम पंचायत सचिव बद्रीलाल भाबर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ कार्यक्रम के बाद समर्थकों ने उत्साह में आतिशबाजी कर मिठाई बांटकर सबका मुंह मीठा कराया।

कार्यक्रम उपरांत सरपंच ने कहा कि, वह बगैर किसी भेदभाव के विकास कार्य को पूरी गति के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

उपसरपंच थानसिंह भयडिया ने कहा कि, वे सरपंच तथा पंचों जिन्होंने उन्हें उपसरपंच का दायित्व दिया है के साथ मिलकर कार्य करेंगे।

आनंदकों ने किया पौधारोपण, निकाली जागरूकता रैली

माही की गूंज, खरगोन। आनंद विभाग द्वारा जिला पंचायत सीईओ के निर्देशानुसार जिले के सभी ब्लाको मे अंकुर अभियान के तहत आनंदको को पौधारोपण एवं कोविड का तीसरा डोज प्रिकाशन टीका तथा 11 अगस्त से 17 अगस्त तक हर घर झंडा अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में स्वयं को जुडना है तथा दस दस लोगों को अभियान के लिए प्रेरित करना है। मंगलवार को भीकनगाव ब्लॉक के लखापुर गांव मे आनंदको ने स्कूल परिसर में पौधारोपण किया है। इसके बाद तिरंगा अभियान की जागरूकता के लिए रैली निकाली। डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर आनंद श्री केबी मंसारे ने लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित कर तथा हर घर झंडा फहराने और राष्ट्र भक्ति से जुडने का आव्हान भी किया। इस अवसर पर स्व सहायता समूह की महिलाओं जशोदा, दिपिका, धापई, ग्यारसी, आशा, ऊषा, राधा शारजा ने पौधारोपण किया। जितेन्द्र करझरे, राकेश मोरे, भोपाल साबले कमल, विजय, अनिल, गुलाबचंद, करण, रंजित, अजय ने तीनों अभियान मे भूमिका निभाई तथा रमेश चक्रवर्ती सहित ग्रामीणजनों ने पौधो की सुरक्षा का संकल्प लिया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निर्धारित स्थानों से जिलेवासी खरीद सकते है तिरंगा

माही की गूंज, बड़वानी।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिले में भी हर घर तिरंगा अभियान 13 से 15 अगस्त तक चलाया जायेगा। अभियान के दौरान जिले के 2 लाख 50 हजार घरों में तिरंगा लहराने के लिए कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने तिरंगा खरीदने के लिए स्थान निर्धारित किये है। निर्धारित स्थानों पर जाकर जिले के वासी अपने घरों के लिए तिरंगा खरीद सकते है।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने बताया कि, जिले में बनाये गये तिरंगा विक्रय केन्द्र से 20 बाय 30 साईज के तिरंगे का मूल्य 28 रुपये तथा 10 बाय 15 साईज के तिरंगे का मूल्य 18 रुपये प्रति नग निर्धारित है।

इन स्थानों से खरीदा जा सकता है तिरंगा

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने बताया कि, कलेक्टर कार्यालय बड़वानी सहित समस्त नगर पालिका, नगर परिषद कार्यालय, सामुदायिक प्रशिक्षण केन्द्र आजीविका भवन बड़वानी, आजीविका भवन निवाली, पानसेमल, बुदी (पाटी), राजपुर, सेंधवा एवं ठीकरी में तिरंगा विक्रय केन्द्र बनाया गया है। जहां से जिले के रहवासी निर्धारित शुल्क देकर तिरंगा खरीद सकते है।

नाग पंचमी पर की पूजा अर्चना

माही की गूंज, आम्बुआ।

सनातन हिंदू धर्म में जहां भगवान, देवी-देवताओं की पूजा का विधान है वही पशुओं में गौ-माता की पूजा की जाती है। इसी क्रम में नाग देवता की पूजा का भी विधान है। नाग पंचमी के अवसर पर आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोरझाड़ में पूजा की जाकर परिवार में खुशहाली की प्रार्थना की गई।

सावन मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी पर्व मनाया जाता है। 2 अगस्त को आम्बुआ कस्बे में तथा पुलिस थाना प्रांगण में स्थित नाग त्रिलोचन महादेव मंदिर पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखी गई। जहां पर महिलाओं ने श्रीफल दूध तथा अन्य पूजन सामग्री से पूजा-अर्चना की तथा परिवार में खुशहाली की प्रार्थना की। थाना प्रांगण में स्थित नाग त्रिलोचन महादेव मंदिर पर भी दिनभर पूजा-अर्चना का क्रम जारी रहा।

स्कूल बस संचालकों के साथ परिवहन अधिकारी ने की बैठक

माही की गूंज, खरगोन।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती बरखा गौड़ ने शिक्षा अधिकारी केके डोंगरे और यातायात टीआई दीपेंद्र के साथ संयुक्त रूप से यात्री वाहन और स्कूल बस संचालको के साथ बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोड सेफ्टी को लेकर यात्री वाहनों पर लिए गए संज्ञान से संबंधित बिन्दुओं के बारे में अवगत कराया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती बरखा गौड़ ने समस्त संचालित होने वाली यात्री बस व स्कूल बस संचालकों से कहा कि बस संचालन से पूर्व संचालक यह सुनिश्चित करें कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी रोड सेफ्टी गाइड लाइन के अनुसार ही वाहन संचालित किए जाए। वाहनों के साथ समस्त वैधानिक दस्तावेज जैसे- पंजीयन, फिटनेस, टैक्स, बीमा, पीयूसी प्रमाण पत्र पूर्ण कर वाहनों के साथ आवश्यक रूप से रखे। इतना ही नहीं वाहनों में अग्निशमन यंत्र, फर्स्टएड बॉक्स, आपातकालीन द्वार और गति नियंत्रक यंत्र भी अनिवार्य रूप से चालू रखें जाए। यदि जांच के दौरान कमियां पायी जाती तो मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में कार्यवाही की जाएगी।

वर्षाकाल में संकेतकों का भी रखे ध्यान

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती गौड़ ने बताया कि, समस्त वाहन चालक वर्षाकाल में संकेतकों का कड़ाई से पालन करें। साथ ही वाहनों के टायर अच्छी स्थिति में रखे। इसके अलावा पुल पुलियाओं या अन्य जल भराव की स्थिति में वाहन क्रॉस नहीं करे। तेज गति से वाहन का संचालन भूल से भी नहीं करें। क्षमता से अधिक यात्री बस का संचालन नहीं किया जाए।

जाहिर सुचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार वैभव पिता निर्मल मेहता निवासी पेटलाद तहसील पेटलावद जिला झाबुआ म.प्र. के होकर वे अपने पिता निर्मल कुमार पिता ज्ञानमल जी मेहता निवासी पेटलावद से पृथक हो गए है तथा सम्पुर्ण व्यापार व्यवसाय पृथक से कर रहे है तथा निर्मल पिता ज्ञानमल जी मेहता निवासी पेटलावद मेरे पक्षकार का कोई लेना-देना नही है तथा कोई भी व्यक्ति, निकाय, संस्था निर्मल कुमार पिता ज्ञानमल जी मेहता निवासी पेटलावद से कोई भी लेन-देन अथवा उधार व्यापार व्यवहार आदि करे तो वह उसकी स्वयं की जवाबदारी होगी तथा उसका मेरे पक्षकार के हितो पर कोई प्रभाव नही होगा।

दिनांक :- 03.08.2022

राजेन्द्र मुणत
मो.न. 9425487243
हाईकोर्ट एडव्होकेट एवं नोटरी
महावीर कॉलोनी पेटलावद जिला झाबुआ म.प्र.

कहीं बड़े आयोजन के साथ तो कहीं सामान्य कार्यक्रम के साथ हुआ पदभार ग्रहण कार्यक्रम

विवाद भी आए सामने, तो कहीं नहीं हो सका शपथ ग्रहण समारोह, नए सरपंचों ने फर्जी भुगतान करने से किया मना

– ग्राम पंचायत रायपुरिया में पदभार ग्रहण कर पौधरोपण करती सरपंच–उपसरपंच।

– सारँगी ग्राम पंचायत में सरपंच–उपसरपंच सहित पंचायत बॉडी पदभार ग्रहण करती हुई।

– बड़े समारोह में शपथ लेते ग्राम पंचायत करवड़ के पंच, सरपंच।

माही की गूंज, पेटलावद।

मंगलवार को पूरे विकास खण्ड में नवनिर्वाचित सरपंचों, उपसरपंचों और पंचो का पदभार ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसी के साथ ही नए चुने हुए जनप्रतिनिधि अब कार्य शुरू कर सकेंगे। पदभार ग्रहण कार्यक्रम को लेकर नए सरपंचों में भारी उत्साह देखा गया। कई पंचायतो में बड़े आयोजन के साथ धूमधाम से शपथ ग्रहण की गई तो कई ग्राम पंचायत में सामान्य कार्यक्रम के साथ शपथ ग्रहण सम्प्पन भी हुई। इस दौरान विवाद भी सामने आए। पुराने सरपंच के कार्यकाल के हिसाब-किताब ओर भुगतान को लेकर नए सरपंचों ने विरोध दर्ज करवाया और हिसाब मिलने पर ही शपथ लेने पर अड़ गए।

ग्राम पंचायत बावड़ी में सरपंच सहित पूरी पंचायत बॉडी ने शपथ लेने से मना कर दिया और पिछले सरपंच द्वारा किए गए कार्यो ओर बकाया भुगतान की जानकारी पहले मांगी। ऐसे ही कई और पंचायतो के सरपंचों ने नई केश बुक के साथ कार्य शुरू करने और बकाया किसी तरह के फर्जी भुगतान नही करने की बात लिखित में सचिव को दे दी। कुछ पंचायते मंगलवार को शपथ ग्रहण कार्यक्रम से वंचित रही जो बड़े स्तर से आयोजन कर पंचायत में प्रवेश चाह रहे है। जिसमे बामनिया ग्राम पंचायत शामिल है। जिसमे मंगलवार को अतिक्रमण मुहिम के चलते पदभार ग्रहण का कार्यक्रम आयोजित नही हुआ।

फर्जी भुगतान को लेकर हो रहे विवाद

विकास खण्ड की लगभग 60 पंचायतो में सरपंच नए बन चुके है। ज्यादातर नए सरपंच पुराने बकाया हिसाब को लेकर परेशान है। क्योंकि बीते 8 वर्षो के कार्यकाल में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल के लाखों रुपए के भुगतान के बिल लंबित है।

नए सरपंचों का कहना है कि, वो प्रभार लेते समय केवल उन्हीं बिलो के भुगतान करने का प्रयास करेंगे जो वास्तविक बकाया है। किसी तरह के फर्जी बिलो का कोई भुगतान नही होगा। इस संबद्ध में ग्राम पंचायत कुंभाखेड़ी, असालिया, बाबड़ी सहित कई ग्राम पंचायतों के सरपंच लिखित आवेदन देकर इस प्रकार के भुगतान की जवाबदारी लेने से मना करने बात कह रहे है।

ज्ञात रहे कि, पेटलावद विकास खण्ड में भ्रष्टचार का भारी बोल-बाला है और करोड़ो रूपए के निर्माण कार्यो का भुगतान बिना कार्य किए ही हो चुका है तो कई कार्यों का भुगतान बिना कार्य किए या घटिया ओर अधूरे निर्माण कार्य के बिल लगा कर निकालने की योजना थी, जो चुनाव के कारण भुगतान नही हो सका। अब इन्ही फर्जी कामो के फर्जी भुगतान के लिए नए सरपंचों पर दबाव बनना तय है। जिससे डरे हुए नए सरपंच प्रभार लेते समय इन बिलो का भुगतान की जवाबदारी नही लेना चाहते।

– विकास खण्ड की सबसे कम उम्र और शिक्षित असालिया ग्राम पंचायत की सरपंच रेशमा निनामा साथियों के साथ शपथ ग्रहण करती हुई।

युवा उपसरपंच रणजीत सिंह राठौर ने ग्राम के संपूर्ण विकास की ली शपथ

सोसाइटी उपाध्यक्ष से शुरू हुआ राजनीतिक सफर

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

ग्राम पंचायत के चुनाव में ग्राम सारंगी के युवा रणजीत सिंह राठौर वार्ड क्रमांक 3 से निर्विरोध पंच बने। वार्ड के मतदाताओं का राठौर को भरपूर सहयोग मिला। पिछले चुनाव में राठौर की पत्नी वार्ड नंबर 3 से पंच रही थी। राठौर वार्ड क्रमांक 3 में अपने निजी ट्यूबेल से पूरे वार्ड में निजी पाइप लाइन बिछाकर करीब 10 वर्षो से वार्ड वासियों को पानी दे रहे हैं। वार्ड के किसी भी मतदाता को कोई भी परेशानी होती है तो रात हो या दिन सदैव उनकी सेवा में लगे रहते हैं। वार्ड में सफाई स्टेट लाइन रोड सभी की व्यवस्था कर रखी है। इसी का परिणाम है कि, राठौर पहले पंच के लिए निर्विरोध चुने गए व उपसरपंच के चुनाव में 10 मतों से चुनाव जीता। राठौर कांग्रेश समर्पित है।

सोसाइटी का चुनाव लड़ कर की राजनीतिक जीवन की शुरुआत की

राजनीतिक जीवन सोसाइटी चुनाव लड़ कर शुरू किया। यहां पर भी सोसाइटी के 10 सदस्य होने के बावजूद भी 6 मतों से उपाध्यक्ष बने थे। यहां पर भी सोसाइटी अध्यक्ष बनाया एवं खुद उपाध्यक्ष बने। रणजीत सिंह राठौर को वार्ड के अलावा पूरे ग्राम का भी आशीर्वाद प्राप्त है। हंसमुख, मिलनसार, सेवाभावी राठौर ने मंगलवार को ग्राम पंचायत में सरपंच व पंच के साथ उपसरपंच की शपथ ली।

राठौर ने शपथ लेने के बाद संवाददाता से चर्चा में बताया कि, वार्ड क्रमांक 3 के मतदाता एवं नगर के सभी पंच के आशीर्वाद से आज मैं उप सरपंच बना हु। मैं ईश्वर को साक्षी मानकर शपथ लेता हूं कि, ग्राम विकास के लिए चाहे कुछ भी करना पड़े मैं पीछे नहीं हटूंगा। ग्राम के विकास में जो कमियां हैं उसे में पूरी करने की कोशिश करूंगा। मेरा पहला काम गांव मैं स्वच्छ पेयजल योजना सुचारू रूप से चलती रहे। मैं सरपंच, पंच सभी को साथ में लेकर गांव का विकास करूंगा। बस स्टैंड से थांदला-बदनावर हाईवे तक रोड चौड़ा बनाकर डिवाइडर कर बस स्टैंड से लगाकर हाईवे तक लाइट लगाने का पहला मकसद रहेगा, ताकि गांव की जनता सुबह-शाम घूमने जा सके। उनको किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, मेरा मकसद सिर्फ गांव का विकास रहेगा।

सरपंच-उपसरपंच ने किया पदभार ग्रहण

माही की गूंज, थांदला।

हाल ही संपन्न हुए मध्यप्रदेश पंचायत चुनाव में थांदला विधानसभा क्षेत्र की सबसे चर्चित ग्राम पंचायत खजुरी में लगभग 18 वर्षो से जमे भाजपा के सरपंच को पराजित कर विजय पताका फहराने वाले थांदला विधानसभा की कांग्रेस आईटी सेल के अध्यक्ष तरुणाई रूसमाल मईडा ने मंगलवार को विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर सभी निर्वाचित पंच व जनपद प्रतिनिधि मुकेश भाबर सहित माध्यमिक विद्यालय खजुरी के प्रधानाध्यापक संजय धानक एवं पंचायत का स्टॉफ उपस्थित रहा।

सरपंच रूसमाल मईडा ने ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि, ग्राम खजुरी व बीड मवडीपाड़ा के ग्रामवासियों ने जो मुझ पर जो विश्वास जताया है, मैं अपनी पूरी निष्ठा से निभाने की कोशिश करूंगा। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उपसरपंच अनु भुरिया, पंच राकेश गरवाल, पंच सावनसिग भाबर, पूर्व सोसायटी अध्यक्ष कनिया डामोर, पंच भुडा मईडा, पंच दिनेश बारिया, पंच कमलेश भाबर, पंच नरेंद्र बारीया, पंच राजु अमलियार, पंच संजय वसावा, प्रवीन वसावा एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साथ ही ग्राम पंचायत नवापाड़ा कस्बा में भी नवनिर्वाचित सरपंच श्रीमती सागु वसुनिया एवं उपसरपंच श्रीमती दीपली के साथ ग्यारह पंचों ने शपथ ग्रहण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अनुविभागीय अधिकारी थांदला द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी जयेश शर्मा द्वारा ग्राम पंचायत भवन में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शपथ दिलाई गई। वरिष्ठ नेता भुण्डिया वसुनिया एवं युवा नेता राजेश वसुनिया ने सभी पदाधिकारियों को नए कार्यकाल हेतू शुभकामनाएं तथा बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन व व्यवस्था ग्राम सचिव संतोष माली ने किया।

– ग्राम पंचायत खजुरी में शपथ ग्रहण समारोह।

– ग्राम पंचायत नवापाड़ा क़स्बा में शपथग्रहण समारोह।

पहली बार देखी गई ऐसी शपथ विधि

– काकनवानी।

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

विगत 28 वर्षो से ग्राम में रही कांग्रेस में ग्राम पंचायत के खस्ताहाल थे। इसके साथ ही क्षेत्रवासी भी गंदगी एवं असुविधाओं से परेशान हो रहे थे। त्रिकोणीय पंचायत चुनाव में इस बार भाजपा के प्रत्यक्ष ही चुनकर आए और आते ही शपथ के पूर्व पूरे गांव में सफाई अभियान चलाया गया एवं पूरी पंचायत के रंगाई-पुताई कर पूरी भगवामय बना दी गई।

नवनिर्वाचित सरपंच शांताबाई निनामा ने शपथ के पूर्व ग्राम पंचायत भवन में श्री राम भगवान की फोटो लगाकर पंडित प्रवीण भट्ट द्वारा मंत्रोपचार के साथ पूजा अर्चना की। साथ ही सभी 20 वार्ड के पंचों द्वारा पूजा की गई। इसके पश्चात नोडल अधिकारी सीटू भूरिया द्वारा संकल्प पत्र पढ़कर सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों को शपथ विधि ग्रहण करवाई गई, जिसमें भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा एवं भारत की संप्रभुता एवं अखंडता बनाए रखने एवं मध्य प्रदेश पंचायत राज ग्राम स्वराज अधिनियम 1994 और उनके अंतर्गत बने नियमों में उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यों का पूर्ण श्रद्धा पूर्वक सच्चाई और ईमानदारी से निर्वाहन करने के बारे में बताया। साथ ही ग्राम पंचायत क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सामाजिक न्याय की भावना को सर्वोपरि रखते हुए गरीब एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए सतत प्रयास एवं पंचायत क्षेत्र के विकास की दीर्घकालीन योजना बने, जिसमें पंचायत के सभी गांव का विकास हो सके। सभी बालक-बालिकाएं स्कूल जाएं जिन्हें प्रतिदिन मध्यान भोजन मिले। गांव में लोगों को स्वच्छ पेयजल मिले। सभी लोग स्वस्थ रहें और क्षेत्र का कृषि के क्षेत्र में उत्पादन बढ़े। प्रत्येक गरीब की मांग के अनुसार रोजगार मिले। नई-नई तकनीकों का फायदा उठाएं जिससे उत्पादकता पढ़ें और पंचायत क्षेत्र आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बने। इसके साथ ही अपने कार्यकाल में अपने गांव की दशा बदलने के लिए हमेशा प्रयासरत रहने का संकल्प एवं जाति धर्म या संप्रदाय के नाम पर कोई भेदभाव नहीं करने का संकल्प दिलाते हुए सभी ने एक सुर में भारत माता की जय कहते हुए शपथ ग्रहण किया गया।

इस मौके पर वरिष्ठजन बिजीआ बारिया, बाबूलाल पंचाल, मक्कन डामोर, नरेंद्र भानपुरा, पटेल कमल सिंह नायक, राहुल पंचाल, नरेश चंद्र पंचाल, नटवर पंचाल, जवान सिंग बारिया, रादू बारिया, राजू डामोर, मक्कन निनामा एवं गांव के सभी गणमान्य नागरिक भारी संख्या में उपस्थित रहे। यह शपथ विधि देखते ही ग्राम वासियों ने कहा कि, यह आज हमने कई वर्षो में यह पहली शपथ विधि देखी है इससे पहले इतनी जोर शोर से और भक्ति में के साथ शपथ विधि कभी नहीं देखी थी। पूरे क्षेत्र में काकनवानी ग्राम पंचायत की शपथ विधि की चर्चा जोर शोर से चल रही है।

ग्राम पंचायत बालवासा में सरपंच मनु डामोर, उपसरपंच एवं सभी पंचों ने शपथ ग्रहण की। इस मौके पर कई वरिष्ठ लोग एवं गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

गंगाबाई ने ग्रहण किया सरपंच का पद– जल संकट सबसे बड़ी चुनौती

माही की गूंज, खवासा।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में निर्वाचित सरपंचों का कार्यभार ग्रहण समारोह 2 अगस्त को समस्त ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर आयोजित किया गया। खवासा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर नवनिर्वाचित सरपंच गंगाबाई खराड़ी, उपसरपंच मनोहर बारिया सहित 20 वार्ड के पंचों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस अवसर पर जनपद पंचायत थांदला की उपाध्यक्ष श्रीमती माया देवी प्रेम सिंह चौधरी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जल संकट सबसे बड़ी चुनौती

ग्राम पंचायत खवासा में बारहमासी जलसंकट यहां की मुख्य समस्या है और गर्मियों में यह समस्या विकराल हो जाती है। ग्रामवासियों को उम्मीद है कि, नई पंचायत बॉडी इस दिशा में ठोस कार्य करेगी। साथ ही ग्राम में अतिक्रमण, पशुहाट में अव्यवस्थाएं, स्टीऊट लाइनो का नियमित रख रखाव सहित स्थानीय मुक्तिधाम में लकड़ी स्टोर रूम, शेड निर्माण किया जाना आवश्यक है। अब देखना है कि, ये पंचायत बॉडी इसमें कितना सफल हो पाती है। नई सरपंच गंगाबाई खराड़ी को पदभार ग्रहण करने पर विभिन्न संगठनों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों और गणमान्य नागरिकों ने बधाई दी है।

नवनिर्वाचित चुन कर पंचायत बॉडी को नोडल अधिकारी ने दिलवाई शपथ

माही की गूंज, जामली।

ग्राम पंचायत जामली में नवनिर्वाचित चुनकर आई महिला सरपंच शांति अम्बालाल दायमा, उप सरपंच प्रेमराज पाटीदार व पंचों को नोडल अधिकारी एसआर कतिजा द्वारा शपथ दिलाई गई। शपथ के पूर्व महिला सरपंच द्वारा माँ सरस्वती की फोटो के सामने दीप प्रज्वलित किया गया। जिसके पश्चात नोडल अधिकारी एसआर कतिजा द्वारा सभी पदाधिकारी को शपथ दिलाई गई। जिसमें अपने अधिकारों की जानकारी के बारे में, किसी भी वर्ग का भेदभाव किए बिना काम करना आदि बताया गया। उसी तरह पंचों को भी अपने वार्डो में कोई भी काम को लेकर पंचायत को बताना चाहिए आदि के बारे में बताया गया। इस मौके पर सरपंच, उपसरपंच, पंच, सचिव, रोजगार सहायक के साथ ग्रामीण जन मौजूद थे।

रिमझिम बारिश में सम्पन्न हुआ शपथ ग्रहण कार्यक्रम

माही की गूंज, अमरगढ़।

ग्राम पंचायत में पंचायत के इस कार्यकाल में ऐसा अवसर आया कि पंचायत बाड़ी में इस बार सरपंच, उपसरपंच सहित लगभग सभी पंच नए नवेले चुन कर आए है। ग्राम पंचायत भवन प्रांगण में मंगलवार सुबह 11 बजे से शपथ ग्रहण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में अतिथि जिला पंचायत सदस्य विक्रम मैड़ा को आमंत्रित किया गया था। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में नोडल अधिकारी जयंत द्वारा सरपंच पिन्टू सिंह भूरिया, उपसरपंच संगीता पाटीदार व अन्य पांचो को शपथ दिलवाई। कार्यक्रम शुरू होने के साथ ही रिमझिम बारिश शुरू हो गई थी जिसकी उपस्थिति में ही कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। शपथ के पश्चात सरपंच भूरिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि ग्राम की जनता ने मुझ पर जो विश्वास जताया है उस पर मैं अपनी पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरूंगा। ग्राम में आने वाली हर परेशानी व समस्या के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। ग्राम की उन्नति को लेकर वचनबद्ध रहने की बात कही। शपथ ग्रहण के बाद पूरी पंचायत बाड़ी को समस्त ग्रामवासियों ने शुभकामनाएं दी।

पंच, सरपंच व उपसरपंच ने ली शपथ

माही की गूंज, बनी।

ग्राम पंचायत बनी में पंचायत भवन पर नवनिर्वाचित पंच, सरपंच व उपसरपंच के द्वारा शपथ ग्रहण कर पद व गोपनीयता की शपथ लेते हुए गांव का सर्वांगीण विकास करने की कसम खाई। सरपंच नानुडी बाई मचार, उपसरपंच गोपाल पटेल एवं समस्त पंचों को पंचायत सचिव देवीलाल भाभर के द्वारा पद व गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

जसवंत भाभर बने बाजीगर, नहीं चली नायिकी

माही की गूंज। संजय भटेवरा

झाबुआ। लंबे इंतजार और एक बार चुनाव चिन्ह आवंटित हो जाने के बाद निरस्त हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आखिरकार कोर्ट के हस्तक्षेप और आदेश के बाद संपन्न हुए। करीब 2 माह की चुनावी प्रक्रिया के बाद प्रदेश की पंचायतों को अब पंच, सरपंच और जनपद तथा जिला पंचायतों को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष मिल ही गए। इन चुनावों में कई नए युवाओं को मौका मिला और कई पुराने स्थापित नेता को जनता ने घर बैठा दिया। कुछ जगहों पर पुराने अनुभवी को भी एक बार पुनः मौका देना जनता ने उचित समझा और उन्हें जिम्मेदारी सौपी।

जिला पंचायत में रही रोचक स्थिती

14 वार्डों में फैली जिला पंचायत में बड़ी ही रोचक स्थिति के बाद आखिरकार कांग्रेस अपनी परम्परागत सीट बचाने में कामयाब हुई। यहां कांग्रेस और भाजपा के 6-6 सदस्य चुनाव जीतकर आए थे, सारा दारोमदार एक कांग्रेस के बागी व एक जयस समर्थित सदस्य के ऊपर था। अंदरखाने की खबरों के अनुसार इन दोनों ने शुरू से ही तय कर लिया था दोनों साथ ही रहेंग। तमाम राजनीतिक चालें (साम, दाम, दंड, भेद) चलाई गई, लम्बा सस्पेंस रहा, लेकिन पुरे प्रकरण में जो मुख्य भूमिका में साबित हुए वो है थांदला के पूर्व विधायक स्व. रतनसिंह भाभर के पुत्र जसवंत भाभर जो न केवल अपनी पत्नी को अध्यक्ष बनाने में सफल हुए, वरन् अपनी खोती हुई राजनीतिक जमीन को एक बार पुनः मजबूत पकड़ बनाने में सफल रहे और न केवल भाजपा की सरकार से लोहा लिया, वरन् पूर्व कांग्रेसी रहे व वर्तमान में प्रदेश के उद्योगमंत्री रहे राज्यवर्धन दत्तीगाव के चक्रव्यूह को भेदने में भी सफल रहे।

कहा हुई भाजपा से चूक

पंचायती चुनाव वैसे तो गैर दलीय आधार पर हुए थे, लेकिन फिर भी उम्मीद्वारों की दलीय निष्ठा किसी न किसी राजनीतिक दल ने प्रति रहती ही है, ये बात जनता जानती थी। यही नहीं जनपद और जिले के लिए राजनीतिक दलों द्वारा अधिकृत प्रत्याशियों की सूची भी जारी की गई थी। जाहिर सी बात है संगठन के मुखिया के नाते चुनाव परिणाम पर जिला अध्यक्षों की साख भी दांव पर लगी थी और इसमें कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष के रूप में दाव मार लिया। वही भाजपा जिला अध्यक्ष नायक की नायिकी धरी की धरी रह गई। वो अपने ग्रह विधानसभा क्षेत्र से भाजपा को एक जिला पंचायत की सीट भी नहीं दिला सके और तो और अपने क्षेत्र मेघनगर में जनपद अध्यक्ष भी अपने पार्टी का नहीं बना पाए जहा कांग्रेस ने बाजी मारकर अध्यक्ष पद पर ललीता मुकेश मुणिया व उपाध्यक्ष सुशीला गौडसिंह भूरिया ने जित हासिल की।

उपाध्यक्ष की जिद व उम्मीद्वार से सगठन का स्वार्थ के चलते भाजपा की लुटिया डुबी

वैसे तो झाबुआ जिला पंचायत पर कांग्रेस का ही कब्जा रहा है। परन्तु इस बार भाजपा व कांग्रेस के समान 6-6 समर्थत उम्मीद्वार ने जित हासिल की थी तो एक जयस समर्थक रेखा निनामा तो एक कांग्रेस के बागी अखमाल मालु ने जित हासिल कर रोचक मुकाबला अध्यक्ष व उपाध्यक्ष हेतु बन गया था। वही भाजपा ने इस बार किसी भी स्थिती में जिला पंचायत पर कब्जा जमाने हेतु भाजपा नें अलीराजपुर प्रभारी मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव को प्रभारी बनाया था। लेकिन जिला पंचायत में भाजपा का उपाध्यक्ष पद पर अडे रहना भाजपा को भारी पड़ गया। यही नहीं अंतिम समय पर स्वार्थ लाभ के लिए अध्यक्ष का उम्मीद्वार बदलना दोनों निर्दलीय प्रत्याशियों को रास नहीं आया वही भाजपा को मात देने के लिए बताया जा रहा है पुर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सीधे हस्तक्षेप कर काग्रेस कांतिलाल भूरिया गुट को शांत कर सोनल जसंवत भाभर पर सहमति जताकर बाजी पलट दी। इस पूरे प्रकरण में कहीं न कहीं भाजपा का अहंकार टूट गया। उन्हें लगता था कि, प्रदेश में सरकार हमारी है और इस बार तो जिला पंचायत भी हमारी ही बनेगी।

भूरिया-भाभर गुट का अंत

2000 के दशक में जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी जिले के कद्दावर. नेता कांतिलाल भूरिया सांसद थे और रतन सिंह भाभर थांदला सीट से कांग्रेस के ही विधायक थे, तब इन दोनों के गुट में शह और मात का खेल चलता था। कभी भूरिया भारी रहते तो, कभी भाभर और कांग्रेस की इस गुटबाजी की चर्चा प्रदेश स्तर तक थी। 2000 में हुए जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में भूरिया गुट से स्व. कलावती भूरिया और भाभर गुट से रतनसिंह भाभर की पत्नी मंजुला भाभर ने चुनाव लड़ा था तब मंजुला भाभर चुनाव हार गई थी और तभी से इन दोनों के बीच की दूरियां बढ़ गई थी। उक्त गुटबाजी के चलते जिले का चर्चित सोयाबीन कांड उजागर हुआ था, उसके बाद विधायक रतनसिंह भाभर पर तमाम राजनैतिक विपदा आती रही। वे स्वयं 2003 का विधानसभा चुनाव हार गए। उनके पुत्र जसवंत भाभर भी नगर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव भी हार गए, लेकिन कहते हैं कि समय बदलता जरूर है और जसवंत भाभर का समय भी बदला और आज वे अपनी पत्नी को जिला पंचायत का अध्यक्ष बनवाने में सफल रहे।

थांदला जनपद भी रही रोचक

थांदला जनपद में भाजपा का अध्यक्ष चुनाव, एक बार पुनः भाजपा अपने कब्जे में लेने में सफल रही। भाजपा के सदस्य ही अधिकतर चुनाव जीत कर आए थे, जिसके बाद से ही लग रहा था भाजपा का अध्यक्ष बन जाएगा और वही हुआ। लेकिन उपाध्यक्ष के चुनाव में एक रोचक किस्सा देखने को मिला, यहां पूर्व भाजपाई ने एक बार पुनः भाजपा का समर्थन किया और भाजपा के समर्थन से ही उपाध्यक्ष का पद प्राप्त कर लिया।

राजनीतिक हलचल...

जिला पंचायत की हार के बाद सोशल मीडिया पर छाया तीन तिगाड़ू काम बिगाड़ू का मैसेज

सोशल मीडिया पर ट्रोल हुए सांसद, जिलाध्यक्ष और जिला महामंत्री

बड़े-बड़े नेताओं की भरमार नहीं लगा पाई भाजपा की नैया पार, थांदला विधानसभा में भाजपा की होगी बड़ी सर्जरी

माही की गूंज, झाबुआ।

28 वर्षो के बाद भाजपा ने जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर कब्जा करने का बड़ा अवसर गवा दिया। चुनाव परिणाम के बाद जिले में जिला पंचायत सदस्यों में 6 भाजपा और 6 कांग्रेस सहित एक निर्दलीय एक जयस की थी। जिस प्रकार के परिणाम पूरे मध्यप्रदेश में भाजपा के लिए आ रहे थे। लग रहा था दो अन्य को भाजपा नेता साधने में सफल रहेगी और सरकार के बड़े मंत्री बदनावर क्षेत्र के विधायक राज्यवर्धन सिंह दत्तिगाव को प्रभारी बना कर किसी भी स्थिति में जिला पंचायत झाबुआ में अध्यक्ष भाजपा का बैठे इसकी पहल कर दी। विपक्षी खेमे में फूट ओर मंत्री दत्तिगाव की करीब रहै कुछ कांग्रेस के सदस्यों के भाजपा में जाने और भाजपा के पक्ष में वोट करने के माहोल के साथ भाजपा ने अपना आंकड़ा दो अन्य सहित दस पर पहुँचा दिया। जिले के भाजपा नेता पूरी तरह से आश्वस्त थे कि सांसद गुमानसिह डामोर, अजजा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर और जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक इस बार जिला पंचायत झाबुआ में भाजपा का 28 वर्ष पुराना सूखा खत्म कर देंगे। लेकिन 29 जुलाई की सम्पन्न हुए चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा के रचे सारे चक्रव्यूह तोड़ कर दो अन्य को अपने पक्ष में कर जीत हासिल करने में सफलता प्राप्त कर भाजपा खेमे में भोपाल तक हलचल मचा दी।

तीन तिगाड़ू काम बिगाड़ू के मैसेज से भाजपा नेता हुए ट्रोल, उपाध्यक्ष की चाह और अध्यक्ष पद के नाम परिवर्तन ने डूबा दी भाजपा की नैया

जैसे ही जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव परिणाम बहार आए भाजपा नेताओं में निराशा का माहौल बन गया और एक-एक कर कलेक्टर कार्यालय से खसक गए। बाद में कई कार्यकर्ताओ का गुस्सा सोशल मीडिया पर फूटा जिसमे भाजपा के उपाध्यक्ष पद की लालच, अध्यक्ष पद का नाम अचानक बदले जाने के कारण हार होना बताया गया। साथ ही सांसद गुमानसिह डामोर, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक और जिला महामंत्री केपी राठौर (गंगाखेड़ी) को इस बड़ी हार का जिम्मेदार मानते हुए तीनो के फ़ोटो के साथ ÷तीन तिगाड़ू काम बिगाड़ू÷ के मैसेज जमकर सोशल मीडिया पर वाइरल हुए ओर बुरी तरह से ट्रोल किए गए। जिला पंचायत में भाजपा के अध्यक्ष नही बैठ पाने का कारण इन तीनो को माना है।

बताया जा रहा है, रामा क्षेत्र से विजय अकमाल मालू ने भाजपा को समर्थन के लिए उपाध्यक्ष पद की मांग की थी, जिसको भाजपा के नेताओ ने नकार दिया। जिसका कारण जिला महामंत्री बताए जा रहे है जो पत्नी ललिता कुंवर को इस पद पर काबिज करना चाहते थे। वही शुरुआत से ही अनु अजमेर भूरिया के अध्यक्ष बनने की चर्चा थी और पार्टी की लगभग सहमति ओर तैयारियां भी उसी दिशा में आगे बढ़ रही थी, लेकिन अंतिम समय मे अनु अजमेर के स्थान पर गीता चौहान को आगे किया। जिसमे जिलाध्यक्ष नायक की भूमिका होना बताया जा रहा है। निर्दलीय ओर जयस के सदस्य का अजमेर भूरिया की पत्नी के खड़े होने और दोनों में से एक को उपाध्यक्ष पद देने की स्थिति में जिला पंचायत 100 प्रतिशत जीत दर्ज कर सकती थी लेकिन आपसी फूट, पद का मोह भाजपा की बड़ी हार का कारण बना।

थांदला विधानसभा में मिली बड़ी हार, बड़े-बड़े नेताओं की मौजूदगी नही जीता पाए एक भी सदस्य

जिले में भाजपा का प्रदर्शन देखा जाए तो पेटलावद और झाबुआ विधानसभा ठिक रहा। भाजपा के जीते सभी 6 सदस्य इन दोनों विधानसभा क्षेत्र से ही जीते है लेकिन भाजपा की राजनीति का सेंटर थांदला विधानसभा जहा से खुद जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक, अजजा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर और प्रदेश मंत्री संगीता सोनी सहित बड़े-बड़े नेताओं की फ़ौज इस क्षेत्र में भाजपा का टोपला उठा कर घूम रहे है। लेकिन जिला पंचायत की एक अद्दत सीट भी नही जितवा सके। जिला पंचायत सदस्य क्रमांक 7 से लगाकर 11 तक कि सीटे थांदला विधानसभा में आती है जहाँ भाजपा का प्रदर्शन बेहत खराब रहा जो अंत में जाकर भाजपा की हार का बड़ा कारण बना।

बात करे थांदला विधानसभा से बड़ी फ़ौज जिसमे दिलीप कटारा सांसद प्रतिनिधि एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष, जिला महामंत्री गौरव खंडेलवाल, जिला योजना समिति के पूर्व सदस्य विश्वास सोनी, बंटी डामोर अध्यक्ष नगर परिषद थांदला, मन्नू डामोर पूर्व मंडी अध्यक्ष एवं पुर्व जिला पंचायत सदस्य, भंसाली युवा मोर्चा जिला महामंत्री, संजय भाभर पूर्व युवा जिला महामंत्री, सुशीला भाभोर पूर्व जनपद अध्यक्ष, श्यामा ताहेड पूर्व जिला महामंत्री एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य, ज्योति नटवर बामनिया पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मेघनगर, मुकेश मेहता पूर्व जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा, राजमल पडियार जिला उपाध्यक्ष, भूपेश भानपुरिया जिला मंत्री, आरती भानपुरिया पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष, ओम शर्मा पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा सहित कई बड़े नाम और चेहरे सहित भाजपा की अलग-अलग मोर्चे की मण्डल सरंचना होने के बाद भी पूरी विधानसभा से एक सीट जिला पंचायत नही जीता सके, वो आने वाले चुनावों में चिंता का विषय है... !

सर्जरी की तैयारी...?

जिले भर के पंचायत, जनपद और जिला पंचायत के परिणाम देखे जाए तो कांग्रेस का वोट शेयर बड़ा है। जिन जनपदों में भाजपा काबिज़ हुई है उसका श्रेय भी सीधे भाजपा के हिस्से में नही है। क्योंकि जनपद अध्यक्ष बनने वाले ने स्वयं पूरा मैनेजमेन्ट कर जीत हासिल की है। पूरे चुनाव के दौरान बागियों सहित निर्दलीय लोगो को भाजपा का जिला संगठन साधने में नाकामयाब रहा। वही पेटलावद विधानसभा में जीती जिताई 14 नम्बर की सीट में भाजपा के खराब मैनेजमेंट के कारण 700 मतों के मामूली अंतराल हार का सामना करना पड़ा। लम्बे समय से भाजपा संगठन में उठा-पटक चल रही है, लेकिन परिवर्तन नही हुआ है। लेकिन पंचायत चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन के बाद एक बार फिर भाजपा संगठन में बडी सर्जरी की सम्भवना है।

आकस्मिक दौरे पर पहुंचे आईजी एवं डीआईजी, विभागीय अधिकारियों की ली बैठक

तिरंगा महाभियान के तहत झंडा वितरण केंद्र का फीता काटकर किया शुभारंभ

माही की गूंज, झाबुआ।

इंदौर ग्रामीण रेंज के आईजी राकेशकुमार गुप्ता तथा डीआईजी चन्द्रशेखर सोलंकी बुधवार को इंदौर से दोपहर करीब 1 बजे झाबुआ पहुंचे। जहां उक्त दोनों वरिष्ठ अधिकारियों की आगवानी पुलिस अधीक्षक अरविन्दकुमार तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीएस कुरवे तथा जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन ने की। दोनो आला पुलिस अधिकारी टूरिज्म मोटल पर कुछ देर रूककर यहां से जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कलेक्टोरेट पहुंचे।

दोपहर करीब 2 बजे कलेक्टोरेट परिसर में नगरपालिका की ओर से हर-घर तिरंगा महाभियान के तहत बनाए गए झंडा वितरण केंद्र का फीता काटकर दोनों ही अधिकारियों ने शुभारंभ किया। दोनों अधिकारियों ने केंद्र पर तैनात कर्मचारियों से झंडा भी खरीदा। जिसके बाद कलेक्टोरेट के सामने खड़े रहकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को लहराया गया।

आगामी त्यौहारों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश

इसके बाद आईजी गुप्ता एवं डीआईजी सोलंकी यहां से पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। जहां पुलिस कप्तान अरविन्द तिवारी, अतिरिक्त पुलिस कप्तान कुरवे, जिले के सभी अनुभाग के एसडीओपी, थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों से आगामी त्यौहारों के मद्देनजर जिले में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने को लेकर आवश्यक निर्देश आला अधिकारियों ने अधीनस्थों को प्रदान किए। साथ ही विभागीय स्तर पर जिला पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी अवलोकन किया।

---

181 पर सरकारी विभाग की नही हो रही सुनवाई तो आम जनता किससे करे उम्मीद

बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी सरकार मौन, हादसों के बाद भी छुपाते है लापरवाही, आर्थिक सहायता का लगाते है मरहम बाद में

नदी तरफ 50 फिट ऊंचाई पर स्कूल परिसर की धस रही मिट्टी, बड़े हादसे के इंतजार में विभाग और सरकार

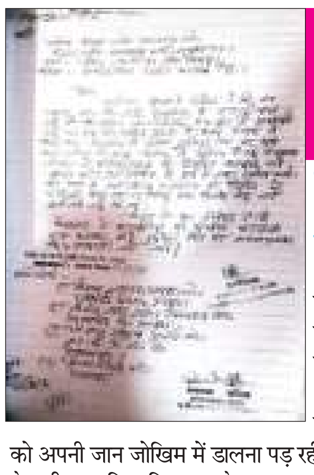

माही की गूंज, पेटलावद।

सरकार शिक्षा के नाम पर लाखों करोड़ों खर्च करती हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से बच्चो को अपनी जान जोखिम में डालना पड़ रही है। पेटलावद शहर के गढी माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को डर के साए में रहना पड़ रहा है। लगातार गुहार लगाने के बाद भी सरकार ऐसी स्थिति की सूद नही लेती ओर ऐसी ही लापरवाही के चलते बड़े हादसे हो जाते है जिनको दबाने ओर छुपाने के लिए आर्थिक सहायता का ढोंग किया जाता है। गढ़ी विद्यालय के नदी साइड हिस्से में बाउंड्रीवाल नही होने से कभी भी छात्र-छात्राओं के साथ एक बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। पढ़ाई के बाद लंच टाइम के समय बच्चे विद्यालय परिसर में खेलते हैं। ऐसे में नदी तरफ से लगभग 50 फिट ऊंचाई पर स्कूल परिसर होने से बच्चो के गिरने का भय बना रहता है। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा गेट व जाली लगाई गई है लेकिन बारिश का समय होने से एक तरफ मिट्टी धसने लगी है। विद्यालय में कक्षा 1 से 8वी तक के 135 बच्चे अध्ययन के लिए आते है, ऐसे में परिसर छोटा होने से बच्चे खेलते-खेलते नदी तरफ के हिस्से में पर पहुँच जाते है। ऐसे में हमेशा मिट्टी धसने से हादसों का भय बना रहता है।

बच्चे बताते है कि, लंच टाइम के बाद कुछ समय खेलने में बिताते है, लेकिन यहां तो खेलने में भी डर लगता है। अगर जल्द समस्या का निराकरण कर वाल बाउंड्री का निर्माण नही किया गया तो स्कूली बच्चो के साथ कभी भी कोई दुर्घटना घटित हो सकती है। इस समस्या को लेकर पालकगण भी काफी चिंतित है।

मांग के बाद भी नही हुई सुनवाई

बच्चो की सुरक्षा के लिए स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा वर्ष 2015 से मांग की जा रही है लेकिन अभी तक जिम्मेदारो ने बच्चो को डर के साए में रहने को विवश कर रखा है। प्रधानाध्यापक द्वारा 31 जुलाई 2015 ओर 22 अगस्त 2016 को शिक्षा विभाग के जिला स्त्रोत समन्वयक, जनशिक्षक, सहायक आयुक्त आदि सम्बंधित अधिकारियों को पत्र के माध्यम से बताया था कि, स्कूल परिसर में पम्पावती नदी की तरफ ऊंचाई अधिक होने से दुर्घटना हो सकती है, ओर बाउंड्रीवाल निर्माण नही होने के कारण अगर दुर्घटना होती है तो शाला प्रबंधन की जवाबदेही नही होगी। इसके बावजूद कई बार बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग की लेकिन लगभग 6 वर्ष बीत जाने के बाद भी अधिकारियों ने बच्चो के प्रति कोई ध्यान देना उचित नही समझा।

सीएम हेल्पलाइन भी काम नहीं आई

आम जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन शुरू की हुई है लेकिन यहां मामला उल्टा ही दिखाई पड़ रहा है। सरकारी विभाग के जिम्मेदार सरकार से गुहार लगा रहे है लेकिन कोई सूद नही ले रहा तो आम जनता की शिकायतो की क्या स्थिति होगी ये स्वतः पता लगता है। पेटलावद से लेकर जिला स्तर तक कोई सुनवाई नही होने से वार्ड के रहने वाले पालक झितरसिंह मेड़ा ने सीएम हेल्पलाइन का सहारा लिया और 2 जनवरी 2017 को शिकायत क्रमांक 3133015 पर शिकायत दर्ज करवा कर जल्द से जल्द बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग की लेकिन लगभग 5 वर्ष बाद भी शिकायत मात्र शिकायत बनकर सिमट गई। सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत होने के बाद भी बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर विद्यालय पहुँच रहे है।

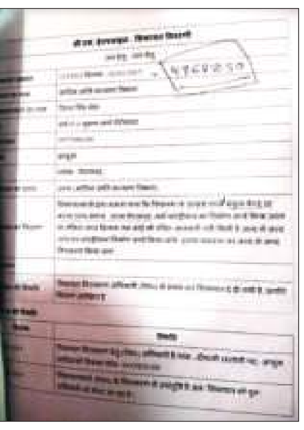

विद्यालय शिक्षक देवेंद्र गोड़ ने कहा कि, बच्चों की सुरक्षा के लिए कई बार बाउंड्रीवाल की मांग की गई लेकिन आज तक निर्माण नही हो पाया है। जल्द से जल्द बाउंड्रीवाल का निर्माण होना चाहिए ताकि बच्चो के साथ कोई दुर्घटना घटित न हो।

गुरुद्वारा के संचालक चन्दनसिंह चौहान ने कहा कि, स्कूल की बाउंड्रीवाल नही होने से परिसर की मिट्टी धस रही है। स्कूल में लगी जालिया ओर पोधो की जालिया धसकर नीचे गिर गई है। बाउंड्रीवाल का निर्माण होना आवश्यक है।

इस संबंध में बीआरसी सियाराम रायपुरिया ने कहा कि, शिक्षक एक बार फिर से मुझे सारे आवेदन दे दे, उसके बाद में वरिष्ठ अधिकारियों को इस समस्या के बारे में अवगत करवा दूंगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422